आषाढ़ कृष्ण पक्ष चतुर्थदमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-357 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 जून 2025 मंगलवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दुनिया को तमाम आशंकाओं से मिली बड़ी राहत

तड़के चार बजे ट्रंप ने किया सीजफायर का ऐलान, बंकरों से बाहर आए लोग

आखिरकार...भीषण जंग पर अल्पविराम
आखिरी क्षण तक हमलावर रहा ईरान

वाशिंगटन/ तेलअवीव/तेहरान, एजेंसी

इजरायल और ईरान के बीच जारी भीषण जंग अब रूक गई है,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तड़के करीब चार बजे सीजफायर का एलान किया। हालांकि ईरान ने इसके बाद भी अपनी ताकत और हौसले दिखाने के लिये भारतीय समय के मुताबिक सुबह नौ बजे इजराइल पर 8 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में एक इमारत पर गिरी। मेडिकल टीम ने बताया कि इसमें कुछ लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई घायल हुए हैं।

इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इजराइल के साथ सीजफायर के खबरों को खारिज किया था व कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्ध विराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, ईरानियों पर अपने हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा। लेकिन अब ईरान के सरकारी टेलीविजन ने सीजफायर लागू होने का ऐलान कर दिया जबकि इजरायल ने भी अब हमले को लेकर जारी अलर्ट हटा लिया है और लोगों को बंकर से बाहर आने की इजाजत मिल गई है।

जंग की भयावहता व इससे तबाही दिखाती तस्वीर ।

हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तड़के ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का दावा किया था। और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा-मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर अब से 6 घंटे बाद लागू होगा। पहले 12 घंटे के लिए ईरान हथियार डालेगा और फिर अगले 12 घंटे के लिए इजराइल हथियार डालेगा। जंग अधिकारिक रूप से खत्म हो जाएगी। वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइली सेना के प्रवक्ता ने सीजफायर को लेकर ट्रम्प के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। जबकि ट्रम्प ने बाद में ट्रूथ सोशल पर एक और पोस्ट किया व लिखा कि इजराइल और ईरान दोनों ही देश उनके पास शांति का प्रस्ताव लेकर आए थे। मुझे उसी समय समझ आ गया था कि अब शांति का समय आ चुका है। मिडिल ईस्ट ही असली विजेता है। ट्रम्प ने आगे लिखा कि अगर वे इस रास्ते से हटते हैं तो उन्हें बहुत कुछ खोना पड़ेगा।

उधर ट्रम्प के ऐलान से कुछ घंटे पहले ही ईरान ने कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 19 मिसाइलें दागीं थीं। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि ईरान ने हमले से पहले ही इसके बारे में अलर्ट जारी कर दिया था। ट्रम्प के सीजफायर ऐलान के बाद ईरान का इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला ऐसा 25वां मिसाइल हमला है। ईरान के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि अगर इजराइल अपनी तरफ से हमले रोक देता है, तो ईरान भी मिसाइलें दागना बंद कर देगा। इजराइल का कहना है कि वह ईरानी इलाके में अपने टारगेट्स पर हमले करता रहेगा। माना जाता है कि ईरान के भीतर अभी कई ऐसे ठिकाने हैं जिन्हें वे निशाना बनाना चाहते हैं, और जिन पर अब तक हमला नहीं किया जा सका है। अधिकारियों का कहना है कि उनका सबसे अहम मकसद ईरान की परमाणु क्षमता को कम करना था। यह काफी हद तक पूरा हो चुका है।

क्रूड की कीमतें धड़ाम, शेयर बाजार 900 अंक अछला

मुबंई। इजरायल-ईरान के बीच बीते 12 दिनों से जारी भीषण जंग पर ब्रेक लगने की खबरें सामने आते ही क्रूड की कीमतें भी एकदम से धड़ाम हो गई हैं। इस बीच पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने भी आज धुआंधार शुरुआत की है और खुलने के साथ ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 900 अंक से ज्यादा उछल गया, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 270 अंकों से ज्यादा की तेजी का साथ खुला। सेंसेक्स इंडेक्स अपने आज उछलकर 82,534.61 पर ओपन हुआ जबकि कल 511 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ था। एनएसई निफ्टी के साथ भी ऐसा ही हुआ और वह पिछले लेवल से चढ़कर 25,179.90 पर खुला। जबकि कल इसमें 140 अंक की गिरावट आई थी। इस बीच क्रूड ऑयल की कीमतें (Crude Oil Price) भी अचानक गिर गई और Brent Crude 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है।

चार राज्यों की क्षेत्रीय परिषद की बैठक

शाह ने मुख्यमंत्रियों संग बैठक से पहले काशी में नजर उतरवाई

वाराणसी, एजेंसी

देश के गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज से काशी में मध्यक्षेत्रीय परिषद की बैठक शुरू हो गई। इसमें मप्र,उप्र,ऊत्तराखंड और छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं और राज्यों के बीच के मुद्दों पर चर्चा हो रही है। बैठक में विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े मामलों पर चर्चा के अलावा इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के साथ ही भारत नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामले भी एजेंडे में हैं। इसके अलावा घुसपैठ,कानून व्यवस्था,महिला अपराध जैसे मामलों पर भी चर्चा होगी।

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी सुबह दिल्ली से वाराणसी पहुंचे हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री शाह एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सीएम योगी के साथ सीधे काल भैरव मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन-पूजन करने के दौरान एक पंडित ने शाह की दंड से नजर उतारी। बताया जाता है कि काशी के कालभैरव का दंड विधान बहुत शुभ माना जाता है। जिन पंडित ने शाह की नजर उतारी, उन्होंने कहा - इससे पहले अमित शाह 4 बार यहां आ चुके हैं। जब हम नजर झाड़ रहे थे, तब उन्होंने कहा कि हो गया महाराजज। मुझे देखकर एक बार मुस्कुराए, फिर आगे चले गए।

मोदी को 3 कार्यक्रमों का आमंत्रण

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की तथा प्रदेश में चल रही योजनाओं की जानकारी दी। सीएम ने पीएम को जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में आशीर्वाद देने और अक्टूबर में सीहोर में कृषि मेले में आने का आमंत्रण दिया। यादव ने बताया कि भोपाल में मेट्रो अक्टूबर तक शुरू हो जाएगी। इसका उद्घाटन करने के लिए भी न्योता दिया है।यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर की हैं।

चंद्रशेखर के खिलाफ रोहिणी ने दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली। उप्र की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज हुई है। उनके खिलाफ शिकायत इंदौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने स्विट्जरलैंड से दर्ज कराई। रोहिणी ने कहा, चंद्रशेखर ने होटल बुलाकर मेरे साथ संबंध बनाए। उसने हमेशा मुझे धोखे में रखा। स्वाभिमान और सम्मान के लिए लडूंगी। पीछे नहीं हटूंगी। अपनी पोस्ट में रोहिणी ने लिखा कि माफी नहीं सजा होगी, अब कोर्ट मे मिलते हैं। रोहिणी का आरोप है कि चंद्रशेखर ने उनसे निजी रिश्ता रखा लेकिन अपनी शादी की बात छिपाई। कई अन्य लड़कियों को भी चंद्रशेखर ने धोखा दिया। वहीं इस मामले पर चंद्रशेखर ने कहा कि यह महिला के सम्मान से जुड़ा मामला है,मैं जवाब केवल कोर्ट में ही दूंगा।

कई स्थानों पर दुर्घटनाएं, यात्रा रुकीं

मानसून का एक महीना .. इस बार रिकॉर्डतोड़ रफ्तार से भीगे 24 राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में मानसून की एंट्री को आज एक महीना पूरा हो गया है। बीती 24 मई को तय तारीख से 8 दिन पहले ही इसने केरल में दस्तक दी थी। मानसून की रफ्तार भी तेज है और यह अभी तक 24 राज्यों को कवर कर चुका है तथा 24 घंटे में दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में दस्तक देगा। माना जा रहा है कि अगले तीन दिन में मानसून पूरा देश कवर कर चुका होगा। उसकी यह रफ्तार भी तेज होगी और वह करीब डेढ सप्ताह पहले ही पूरे देश पर छा चुका होगा। आमतौर पर ऐसा 8 जुलाई तक होता रहा है, जब यह पश्चिमी राजस्थान के पोखरण तक पहुंचता है।

बहरहाल इस मानसूनी दौर में आज ग्वालियर, चंबल, सागर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग के 24 जिलों में अति भारी या भारी बारिश की संभावना है। शिवपुरी-श्योपुर में रेड, जबकि बाकी हिस्से में ऑरेंज और यलो अलर्ट है। गुजरात में कोंकण-गोवा में भारी बारिश की चेतावनी है। इधर उत्तरप्रदेश में तो जून में बारिश का 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। 1971 से 2020 के बीच हुई औसत बारिश के मुकाबले इस साल 25 प्रतिशत ज्यादा बरसात हुई है। राज्य में 66.9 मिमी औसत बारिश हुई है। उत्तराखंड में मानसून के पहुंचने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची बैंड के पास भूस्खलन हुआ, इसमें करीब आधा दर्जन यात्री दब गए। मलबे से 2 शव बरामद किए गए हैं। यमुनोत्री की यात्रा रोक दी गई है। बद्रीनाथ से लौट रहे हरियाणा के श्रद्धालु की कार पर पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर गिर जाने से महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बरसाती नाले में उफान से भारी मात्रा में मलबा दुकानों में घुस गया। लगभग आधा दर्जन दुकानों को नुकसान हुआ है।

7वां प्रयासः शुभांशु का अंतरिक्ष मिशन कल से

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष मिशन छह बार टलने के बाद कल 25 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय समयानुसार दोपहर 12.01 बजे इसकी लॉन्चिंग संभव है। अगर ये तय वक्त पर लॉन्च होता है, तो इसकी डॉकिंग 26 जून को शाम 4:30 बजे होगी। इसकी जानकारी आज नासा ने दी है। फॉल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च करने के बाद क्रू को एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजा जाएगा। एक्सियम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

एयर इंडिया फ्लाइट में यात्रियों की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली। एयर इंडिया की लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई आ रही फ्लाइट में सफर के दौरान 5 यात्रियों और 2 क्रू मेंबर्स ने चक्कर आने और उल्टी होने की शिकायत की। एयर इंडिया ने इसकी जानकारी दी और बताया कि विमान के मुंबई में सुरक्षित लैंड करने पर मेडिकल टीम पहले से तैयार थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा- 'मुंबई पहुंचने के बाद दो यात्रियों और दो क्रू मेंबर्स को मेडिकल रूम में ले जाया गया, जहां उनकी जांच की गई। बाद में सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया। मामले की जांच की जा रही है और जांच एजेंसी को सूचित कर दिया गया है। कल दिल्ली-जम्मू फ्लाइट को जीपीएस सिग्नल में गड़बड़ी के शक के चलते एहतियातन वापस दिल्ली लाया गया। यात्रियों को जम्मू पहुंचाने के लिए तुरंत दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया।

सीहोर के पास टोल नाके पर जमकर मारपीट

सीहोर। राजधानी के समीप सीहोर के अमलाहा टोल प्लाजा पर गाड़ी मालिकों और कर्मचारियों के बीच मारपीट में डंडे-फावड़े चले। इस झड़प में दो लोग घायल हो गए। एक की स्थिति गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। बताया जाता है कि बीती शाम की घटनाके बाद अब पुलिस ने आष्टा, हकीमाबाद और सीहोर के 10 से ज्यादा लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बताया गया कि वाहन मालिकों ने नाके से फ्री में गाड़ी निकलवाने की बात कही। बहस बढ़ते हुए मारपीट पर पहुंच गई। 20 से ज्यादा लोगों ने टोलकर्मियों पर डंडों और फावड़ों से हमला कर दिया। टोल ऑफिस में घुसकर तोड़फोड़ भी की। जबकि घायलों ने कहा कि टोल मैनेजमेंट ने एक दर्जन से ज्यादा बाउंसर तैनात कर रखे हैं, जो यात्रियों के साथ अक्सर दुर्व्यवहार करते हैं। टोल मैनेजमेंट ने बाउंसर्स द्वारा की गई मारपीट के फुटेज पुलिस को नहीं दिए हैं।

युद्धाभ्यास : आर्मी कांस्टेबल पर ड्रोन से गिरा डमी बम, मौत

भोपाल। सूखीसेवनिया फायरिंग रेंज पर युद्धाभ्यास के दौरान ड्रोन में रखा डमी बस हेड कांस्टेबल के सिर पर गया। करीब चार से पांच किलो भारी बम गिरने से हेड कांस्टेबल को गंभीर चोट के बाद आर्मी अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आज शव का पीएम कराने के बाद आर्मी के अधिकारियों को सौंप दिया गया। उनका शव टेहरी उत्तराखंड परिजन के पास भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार मृतक विजय सिंह (37) टेहरी उत्तराखंड के रहने वाले थे। बीती शाम वे सूखी सेवनिया फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास में पहुंचे। देर शाम इस दौरान ड्रोन की मदद से डमी बम रखकर अभ्यास किया जा रहा था, तभी ड्रोन में रखा चार से पांच किलो ग्राम वजनी बम विजय सिंह के सिर पर गिर गया।

मेट्रो एंकर इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस का सालाना ग्लोबल पीस इंडेक्स

सबसे सुरक्षित देशों में भारत का नंबर 115वां

लंदन, एजेंसी

दुनिया के बडे देशों में तनाव व मनमुटाव बढ रहा है। दो साल पहले गाजा से शुरू हुई जंग ईरान तक पहुंची तो रूस और यूक्रेन की जंग तीन साल से जारी है। ग्लोबल पीस इंडेक्स 2025 से पता चलता है कि दुनिया में पहले के मुकाबले शांतिपूर्ण स्थितियां कम होती जा रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद शांति में गिरावट उच्चतम स्तर पर है। जाहिर है कि स्वभाविक रूप से मन में यह सवाल उठता है कि दुनिया में फिर वह कौन सी जगह है जो ज्यादा सुरक्षित व शांत है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस हर साल ग्लोबल पीस इंडेक्स जारी करता है, जो बताता है कि हमारी दुनिया कितनी सुरक्षित है। 2025 के अध्ययन के परिणाम दुनिया के सबसे सुरक्षित और असुरक्षित देशों के बारे में बताते हैं। ताजा लिस्ट में भारत का नंबर 115वां है। जबकि सुरक्षित देशों की लिस्ट में टॉप पर आने वाले वे राष्ट्र हैं, जिनके पास लचीले संस्थान, कम भ्रष्टाचार और अच्छी तरह से काम करने वाला बुनियादी ढांचा है, जो उन्हें यात्रा के लिए आदर्श गंतव्य बनाता है। खास बात यह है कि दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में आईसलेंड अपना स्थान बनाए हुए है। खास बात यह कि आईसलेंड 08 से ही इस स्थान पर है। एक दिलचस्प बात ये है कि दुनिया के 10 सबसे सुरक्षित देशों में 8 अकेले यूरोप से हैं।

पाकिस्तान की रैंकिंग सुधरी !

ग्लोबल पीस इंडेक्स 2025 में भारत का नंबर 115वें पायदान पर है। भारत का नंबर पिछले साल भी यही था और बीते एक साल में इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। हालांकि, इस दौरान आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह समझे जाने वाले पाकिस्तान की रैंकिंग सुधरी है। पाकिस्तान की रैंकिंग में एक अंक का उछाल आया है और इस बार वह 144वें स्थान पर है। पाकिस्तान का दोस्ती तुर्की उससे दो अंक नीचे 146वें नंबर पर है।

रूस असुरक्षित देशों में- ग्लोबल पीस इंडेक्स रैंकिंग में रूस को 163 देशों में सबसे निचले पायदान पर रखा गया है, यानि सबसे कम सुरक्षित देश बनाता है। इसके बाद यूक्रेन का नंबर है। इस लिस्ट में सूडान तीसरा व अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो को चौथा स्थान मिला है। मध्यपूर्व में हिंसा का शिकार यमन पांचवें स्थान पर है। सबसे असुरक्षित देशों में अफगानिस्तान का नंबर छठा हैं, जबकि सीरिया, दक्षिणी सूडान, इजरायल और माली क्रमशः 7वें से 10वें स्थान के बीच में हैं।

ब्रिज निर्माण में खामियां ही खामियां

राजधानी का ऐशबाग ओवर ब्रिज अपने तीखे मोड़ की वजह से मजाक का विषय बना हुआ है। मगर इस ब्रिज के निर्माण की कुछ और खामियां भी नजर आ रही है। फोटो: भूपेंद्र गोल्डी

'संविधान सत्याग्रह'

पटवारी बोले- बाबा साहब की प्रतिमा का विरोध समझ से परे

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संतनगर ने कैंप नंबर 12 में संविधान सत्याग्रह चौपाल का आयोजन किया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी मुख्य रूप से शामिल हुए. इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण भी मौजूद रहे.

पटवारी ने चौपाल पर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस देश के संविधान को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, ठीक वैसे ही जैसे आज़ादी से पहले आज़ादी के लिए संघर्ष किया था. उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे ग्वालियर उच्च न्यायालय में संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का विरोध क्यों कर रहे हैं? पटवारी ने मांग की कि न्याय के मंदिर ग्वालियर उच्च न्यायालय में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए, ताकि हर नागरिक के मन में यह भावना जागे कि संविधान से बड़ा कुछ नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि इस मांग के समर्थन में कांग्रेस कार्यकर्ता बुधवार को ग्वालियर में उपवास पर बैठेंगे.

प्रवीण सक्सेना ने संविधान को बचाने के लिए हर संघर्ष करने की प्रतिबद्धता दोहराई, जबकि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि संविधान सत्याग्रह के ज़रिए यह संघर्ष जारी रहेगा और वे घर-घर जाकर बाबा साहेब के संविधान को बचाने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे.

कार्यक्रम के अंत में पटवारी ने सभी को संविधान को बचाने की शपथ दिलाई. इस परिचर्चा में प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी, पूर्व विधायक जितेंद्र डांगा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हर बार बरसात में जलभराव व बिजली गुल होने की समस्या

नागरिक जूझ रहे, ननि व बिजली कंपनी के दावे बारिश में बह रहे...!

भोपाल दोपहर मेट्रो

बीते दो दिन तक बारिश होने से भोपाल के कई इलाकों वहीं समस्या फिर नजर आने लगी हैं जो बारिश में आमतौर पर उभरती हैं। सडकों व बस्तियों में जलभराव व बिजली गुल की समस्या से दो दिन से नागरिक जूझ रहे हैं और नगर निगम व बिजली महकमे के बारिश पूर्व मेंटेनेंस के सभी दावे भी बारिश के इसी पानी में बह रहे हैं। नगर निगम ने कंट्रोल रूम के जरिये अपना संजाल खडा किया है तो बिजली विभाग ने तय किया है कि बिजली शिकायतों के निपटारे सिटी सर्कल को 39 वाहन एफओसी और दिए जाएंगे। अभी अमले के पास फ्यूज ऑफ कॉल्स (एफओसी) के लिए 38 वाहन हैं। 39 मिलने के बाद कुल 77 वाहन हो जाएंगे। उपभोक्ताओं को फायदा यह होगा कि शिकायतों के निपटारे में पहले के मुकाबले समय आधा लगेगा। एक एफओसी वाहन में दो कर्मचारी उपलब्ध रहते हैं।

तेज बारिश में परेशानी का सबब बन सकते हैं नाले

गौरतलब है कि राजधानी में जलभराव की समस्या फिर नजर आने लगी है। पिछले कई साल से दामखेड़ा, समरधा, अशोका गार्डन, शिवनगर, बाणगंगा चौराहा, करोंद, कोलार समेत कई इलाकों में तो बारिश के चलते बाढ़ आ चुकी है। इस बार ऐसे हालात न बने, इसलिए निगम ने मुख्य कंट्रोल के अलावा सभी 21 जोन में भी कंट्रोल बनाए हैं। ताकि, बाढ़ की जानकारी मिलते ही बचाव कार्य शुरू किए जा सके। लिहाजा जब महापौर मालती राय निगम के मुख्य कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंची। इस दौरान कुछ कर्मचारी गायब मिले। जिन पर उन्होंने कार्रवाई करने की बात कही है। महापौर ने बताया, आपदा प्रबंधन को लेकर कंट्रोल रूम पर बारी-बारी से अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जो कर्मचारी कंट्रोल रूम पर नहीं मिले, उन पर कार्रवाई करेंगे।

जबकि बताया जाता है कि ननि ने कई दिन पहले से बारिश के पूर्व नालों व नालियों की साफ सफाई समेत जरूरी सुधार आदि के काम करना शुरू कर दिये थे लेकिन जानकार बताते हैं कि यह काम मुख्यत उन क्षेत्रों में ज्यादा किये गये, जो वीआईपी क्षेत्र कहलाते हैं। नये व पुराने भोपाल की ढेरों बस्तियों में रस्मी काम कराए गए हैं। तेज बारिश में यह ज्यादा परेशानी की वजह बन सकते हैं।

बिजली शिकायत हल करने का मंसूबा

अभी बिजली शिकायतों हेतु 38 मौजूदा वाहनों में 76 कर्मचारी हैं। 77 वाहन होने पर कर्मचारी भी 144 हो जाएंगे। कुछ बड़े जोन में एफओसी में 3 कर्मचारी हैं। जोन का दायरा बड़ा होने की सबसे खास व्यावहारिक दिक्कत है। मसलन चांदबड़ जोन में 34 हजार उपभोक्ता हैं। जबकि शिकायत निपटाने के लिए सिर्फ एक वाहन और तीन कर्मचारी ही हैं। यही वजह है उपभोक्ताओं की शिकायतें डेढ़-दो घंटे में निपट पातीं हैं। यही स्थिति इंद्र विहार जोन यानी गांधीनगर की है। यह करीब 12 सिमी के दायरे में फैला है। यहां भी शिकायत करके निपटारे के लिए एक वाहन और तीन कर्मचारी हैं। बिजली कंपनी के मैदानी अमले के सामने एक साथ एक जगह पहुंचने की व्यावहारिक दिक्कत है। मानसून सीजन में उपभोक्ताओं की शिकायत निपटाने में अमले को 5-6 घंटे से ज्यादा लग जाते हैं। इस सीजन में शिकायतों का आंकड़ा भी तीन गुना बढ़ जाता है।

अंकिता को मिसेज एमपी का खिताब

भोपाल। हाल में राजधानी में आयोजित तूलिका संस्था के एक समारोह में अंकिता श्रीवास्तव ने मिसेज एमपी का खिताब जीता। लगभग दो दर्जन महिलाओं के बीच हुई इस प्रतियोगिता में अंकिता श्रीवास्तव ने विभिन्न राउंड में अपना श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया और मिसेज एमपी का अवार्ड अपने नाम किया । अंकिता श्रीवास्तव को मिसेज एमपी के अवार्ड के अलावा ब्यूटीफुल आई का भी अवार्ड प्राप्त हुआ है। अंकिता विगत 17 जनवरी को कायस्थम 2025 के आयोजन में परिधानम प्रतियोगिता में भी विजयी रही थी। उनकी इस सफलता पर कायस्थम मध्यप्रदेश ने बधाई दी है।

स्वच्छता सामूहिक भागीदारी का विषय

गुलाब उद्यान में स्वच्छता अभियान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

गुलाब उद्यान में रविवार को नगर निगम और स्थानीय भाजपा नेताओं ने मिलकर एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे उद्यान का स्वरूप काफी निखर गया।

सुबह से ही जुटे सफाईकर्मियों और कार्यकर्ताओं ने उद्यान में फैले कचरे, प्लास्टिक और सूखी पत्तियों को एकत्र कर साफ-सफाई की। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गुलाब उद्यान को स्वच्छ और सुंदर बनाना है, ताकि यहां आने वाले पर्यटक और स्थानीय निवासी एक सुखद और स्वच्छ अनुभव प्राप्त कर सकें।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक भागीदारी का विषय है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, किशन अच्छानी, जगदीश आसवानी, शेट्टी चंदनानी, कमल वीधानी, महेश खटवानी, भारती मूलचंदानी, कैलाश दादलानी, शिव मिश्रा, सीमा लालवानी, संध्या प्रधान, विमला सोनी, रीना पोदार और गुड्डू मेहरा सहित कई अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मैट्रो एंकर विधायक रामेश्वर ने किया भूमिपूजन, अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

बैरागढ़ कलां में 1.5 करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

वार्ड 3 के बैरागढ़ कलां में लगभग 1.5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और भूमिपूजन विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया। शर्मा ने कहा कि संत नगर के साथ-साथ बैरागढ़ कलां, भौंरी, कोलूखेड़ी और नई बस्ती जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान विधायक शर्मा ने अवैध कॉलोनियों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, जिन्होंने नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं न देकर ठगा है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि नागरिकों के साथ धोखा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधायक ने लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमें इन कट्टरपंथियों से डटकर लड़ना होगा और बेटियों के सम्मान की रक्षा करना हमारा सामाजिक दायित्व है। उन्होंने एकता के भाव के साथ ऐसे तत्वों से निपटने का आह्वान किया।

संत कॉलेज में छात्राओं ने खेल भावना की शपथ ली

खेल प्रतियोगिताओं के बीच मना विश्व ओलंपिक दिवस

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाया गया. इस मौके पर छात्राओं ने रोप स्किपिंग, कबड्डी, दौड़ और कई मनोरंजक खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.

कॉलेज परिसर में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के दौरान, कॉलेज की स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. शांति शर्मा ने ओलंपिक आंदोलन के महत्व और वैश्विक प्रभाव पर एक व्याख्यान दिया. उन्होंने विस्तार से बताया कि ओलंपिक खेल किस प्रकार विश्व में एकता, शांति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश फैलाते हैं.

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं को सकारात्मक सोच के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी हमें मजबूत करते हैं.

बायोमेट्रिक सिस्टम को बाय-बाय कहने की तैयारी में कर्मचारी चयन मंडल

अब चेहरा देखकर होगी परीक्षार्थियों की पहचान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भर्ती परीक्षाओं में कैंडिडेट्स की पहचान के लिए कर्मचारी चयन मंडल ज्यादा सतर्क होने वाला है तथा बायोमेट्रिक (उंगलियों के निशान) की जगह फेस रिकग्निशन (चेहरा पहचानना) तकनीक का इस्तेमाल करने की तैयारी में है। इसके पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आज प्री नर्सिंग सलेक्शन टेस्ट में नई तकनीक से ही कैंडिडेट्स का वेरिफिकेशन किया जाना है।

कर्मचारी चयन मंडल का कहना है कि आज के परिणाम देखने के बाद जुलाई से सभी परीक्षाओं में इस तकनीक को लागू किया जाएगा। दरअसल कैंडिडेट्स की पहचान के लिए मंडल अब तक बायोमेट्रिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। मगर, गड़बड़ी करने वालों ने 2023 में हुई पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में बायोमेट्रिक तकनीक में भी सेंध लगा दी। जांच में पता चला कि चयनित उम्मीदवारों ने आधार कार्ड में फोटो और बायोमेट्रिक डेटा बदलकर अपनी जगह सॉल्वर को बैठाया था। इस फर्जीवाड़े को लेकर अब तक 9 जिलों में 22 एफआईआर हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक आरक्षक भर्ती परीक्षा के इस फर्जीवाड़े के बाद से ही कर्मचारी चयन मंडल कैंडिडेट्स के वेरिफिकेशन के लिए फेस रिकग्निशन तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना में जुटा था। इस पायलट प्रोजेक्ट के बाद इस साल होने वाली सभी परीक्षाओं के लिए भी इसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। फेस रिकग्निशन तकनीक को यूआईडीएआई ने 2021 में लॉन्च किया था। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की मदद से फेस वेरिफिकेशन किया जाता है।

समय कम लगेगा, सटीक पहचान होगी

बताया जाता है कि जिस तरह से अब तक बायोमेट्रिक सत्यापन होता था यह भी कमोबेश उसी तरह होगा। एग्जाम हॉल में दाखिल होते ही उम्मीदवार को अपनी पहचान साबित करने के लिए प्रवेश पत्र और एक वैद्य पहचान पत्र दिखाना पड़ेगा। इनकी जांच से सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रवेश पत्र में कैंडिडेट का नाम और फोटो, वैद्य पहचान पत्र के नाम और फोटो से मेल खा रहा है। अब तक इसके बाद रजिस्ट्रेशन डेस्क पर अब तक फिंगर प्रिंट लिए जाते थे, लेकिन अब चेहरे से वेरिफिकेशन होगा। इस चेहरे का मिलान आधार कार्ड या अन्य वैध दस्तावेज में दर्ज फोटो से मैच होगा तभी कैंडिडेट को हॉल में प्रवेश दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में करीब एक मिनट लगेगा।

260 कालेजों की तीन सत्र 2025-26, 2026-27 और 2027-28 की फीस तय हुई

इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों की फीस में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश निजी व सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया जारी है। वहीं दूसरी आरे प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति ने बाकी कॉलेजों की फीस तय करने को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। अब इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों की फीस तय की गई है। फीस में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इससे इंजीनियरिंग की अधिकतम फीस एक लाख 44 हजार और एमबीए की अधिकतम फीस एक लाख 90 हजार रुपए सालाना हो गई है। जबकि फीस कमेटी ने बीई और एमबीए की न्यूनतम सालाना फीस 40 हजार रुपए तय की है।

वहीं एमटेक की सालाना फीस 62 हजार रुपए तय की गई है। जबकि अधिकतम 71 हजार रुपए निर्धारित हुई है। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति ने राज्य के 260 कॉलेज की तीन सत्र 2025-26, 2026-27 और 2027-28 की फीस तय कर दी है। फीस कमेटी द्वारा निर्धारित की गई फीस से कॉलेज संतुष्ट नहीं होते हैं, तो वे अपीलीय प्राधिकरण के पास आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

बीटेक में दो, एमबीए में ढाई लाख फीस के प्रस्ताव भेजे थे

तकनीकी शिक्षा विभाग की काउंसलिंग के अगले चरण में बीई और एमबीए की अलाटमेंट कर पाता उसके पहले कमेटी ने तकनीकी विभाग के सभी कॉलेजों की फीस निर्धारित कर दी है। फीस बढ़ाने के लिए कॉलेजों ने बीटेक के लिए दो और एमबीए के लिए ढाई लाख तक की फीस निर्धारित करने के प्रस्ताव भेजे थे। कमेटी ने कॉलेजों के प्रस्ताव पर कैंची चलाते हुए नया फी स्ट्रक्चर जारी किया है। हालांकि कमेटी ने कालेजों की फीस में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

इन पाठ्यक्रमों में यह है स्थिति-

बीई की अधिकतम फीस एक लाख 44 हजार रुपए और न्यूनतम फीस 40 हजार रुपए हो गई है। एमबीए की अधिकतम फीस एक लाख 90 हजार और न्यूनतम 40 हजार, एमसीए की अधिकतम 73 हजार और न्यूनतम 40 हजार, एमटेक की अधिकतम 71 हजार और न्यूनतम 60 हजार, बी फार्मा की अधिकतम एक लाख और न्यूनतम चालीस हजार और एम फार्मा की अधिकतम एक लाख 40 हजार और न्यूनतम 62 हजार सालाना है। डीफार्मा की अधिकतम फीस 77 हजार और न्यूनतम फीस 30 हजार रुपये सालाना निर्धारित की गई है। कमेटी ने 260 कॉलेजों की फीस निर्धारित की है। इससे पहले 280 कॉलेजों की फीस तय की थी। इंजीनियरिंग के बीस, एमबीए 43, एमसीए 13, एमटेक 23 और बी फार्मा फार्मा और एम फार्मा के 160 कॉलेजों के प्रस्ताव पर सुनवाई कर कमेटी ने फीस का निर्धारण किया है।

डीपीसी में अतिरिक्त सचिव,उपसचिव,अवरसचिव के पद पर अनारक्षित वर्ग का एक भी व्यक्ति पदोन्नत नहीं होगा

नये पदोन्नति नियम मंत्रालय का नुक़सान !

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

आरक्षण का कोटा लेने के बाद अनारक्षित पदों पर भी आरक्षित वर्ग के लोगों को लगातार पदोन्नति देते जाने का दुष्परिणाम यह हुआ कि अभी जो पदोन्नति होगी उसमें मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव,उप सचिव,अवर सचिव के पद पर अनारक्षित वर्ग का एक भी व्यक्ति नहीं आ पायेगा।

यह बात मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने कही है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सचिव के 03 पदों, उपसचिव के 14 पदों और अवर सचिव के 65 पदों पर सभी आरक्षित वर्ग के लोग ही जायेंगे क्योंकि जिन पदों (अर्थात फीडर काडर) से पदोन्नति होना है उनमें अनारक्षित वर्ग के लोग बचे ही नहीं है। और आरक्षित वर्ग के जो लोग इन पदों पर जायेंगे वे लंबे समय तक रहेंगे क्योंकि वे कम उम्र में ही इन पदों पर पहुंच जायेंगे। इसलिए लंबे समय तक अतिरिक्त सचिव,उप सचिव और अवर सचिव में शतप्रतिशत आरक्षित वर्ग के ही रहने की स्थिति बन रही है।

पूरे प्रदेश का नुक़सान

नायक ने कहा कि-नये पदोन्नति नियम वर्ष 2025 से लागू करने की हठधर्मिता के कारण जूनियर और सीनियर एक बराबर कर दिये गये हैं(जबकि ये जब से पदोन्नति बंद हुई थीं अर्थात 2016 से लागू होने चाहिए थे जैसा कि विधि विभाग ने किया है)।जो व्यक्ति 2016 में पदोन्नत होना था वह 2025 में पदोन्नति पायेगा।2016 और 2025 वाले की सीनियरटी पदोन्नति वाले पद पर समान हो जायेगी। 09 वर्ष सीनियर अधिकारी अपने से 9 वर्ष जूनियर अधिकारी के साथ एक ही बैच में आ जायेगा। इस संबंध में अधिकारी संगठनों राजपत्रित अधिकारी संघ तहसीलदार संघ राजस्व निरीक्षक संघ खाद्य आपूर्ति अधिकारी संघ इत्यादि विचार करना होगा।

खंडवा ने जल संचय में ऐतिहासिक उपलब्धि की हासिल

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ÷कैच द रेन'' की जल संचय, जन भागीदारी मुहिम से खंडवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की राष्ट्रीय रैंकिंग में खंडवा ने 1,29,046 से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और पंजीकरण के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी के वर्षा जल संचयन और सामुदायिक सहभागिता के दृष्टिकोण को साकार करती है। इस पहल ने जहां गिरे, जब गिरे-वर्षा का जल संचित करें के मंत्र को चरितार्थ किया है। देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की उपलब्धि से जिले में उत्साह का माहौल है। जनता और जिला प्रशासन जल संरक्षण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन के प्रयासों से न केवल भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, बल्कि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया गया है। स्थानीय निवासियों ने गर्व के साथ कहा, हमारा जिला जल संचय और संरक्षण में देश में अव्वल है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। हम प्रशासन के साथ मिलकर हर बूंद को संरक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करेंगे।

आपातकाल की बरसी: कल दोनो दलों के बीच नई जोर आजमाइश

भाजपा रहेगी हमलावर, कांग्रेस भी दिखाएगी जोर, जुटेंगे ग्वालियर में

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कल 25 जून को लेकर भाजपा व कांग्रेस के बीच सियासी संग्राम फिर होने वाला है। आपातकाल की 50वीं बरसी को भाजपा संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की तैयारी में है। लिहाजा भाजपा की ओर से प्रदेशभर में आपातकाल में मानवाधिकारों के हनन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किए गए हमलों को लेकर संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। भोपाल में होने वाली संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटील मुख्य वक्ता होंगे। जबकि कांग्रेस के तमाम सीनियर नेता व जनप्रतिनिधि ग्वालियर में जुटेंगे तथा

भाजपा के कार्यक्रम के तहत इंदौर में राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव आपातकाल पर होने वाली संगोष्ठी में शामिल होंगे। ग्वालियर में उपाध्यक्ष सरोज पांडेय और जबलपुर में महासचिव दुष्यंत गौतम मुख्य वक्ता होंगे। चारों महानगर समेत हर जिले में होने वाले कार्यक्रमों में भाजपा मीसाबंदियों का सम्मान भी करेगी। बताया जाता है कि संविधान हत्या दिवस पर होने वाले संगोष्ठी, कार्यक्रमों में चर्चा का विषय आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष रखा है। प्रदेश के सभी केंद्रीय मंत्री और प्रदेश सरकार के मंत्री भी जिला स्तर पर संगोष्ठियों में जाएंगे और आपातकाल की विभीषिका पर चर्चा करेंगे।

अंबेडकर प्रतिमा को लेकर उपवास पर कांग्रेस

दूसरी तरफ ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापना के विवाद को लेकर कांग्रेस 25 जून को कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता ग्वालियर में एक दिन का उपवास करने पहुंच रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी,दिग्विजय सिंह,अरूण यादव समेत पार्टी के सभी बड़े नेता ग्वालियर पहुंचेंगे। संविधान के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना के समर्थन पूरी प्रदेश कांग्रेस ग्वालियर के सूर्य नमस्कार तिराहे पर उपवास करेगी। मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने कहा कि जिस व्यक्ति ने देश को संविधान दिया, उसकी प्रतिमा हाईकोर्ट परिसर में स्थापित करने का विरोध नहीं होना चाहिए। लिहाजा कांग्रेस का रुख एकदम साफ है, पार्टी ना तो जातिवाद के साथ है, और ना ही किसी जाति विशेष के खिलाफ है। बल्कि कांग्रेस संविधान, संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के पक्ष में खड़ी है।

भोपाल। प्रदेश में महिला उद्यमिता से महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है, उसका लाभ जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। एमएसएमई सेक्टर को गति देने के लिए बनाई गई योजनाओं का असर अब सशक्त नारी और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदमों के रूप में दिख रहा है।

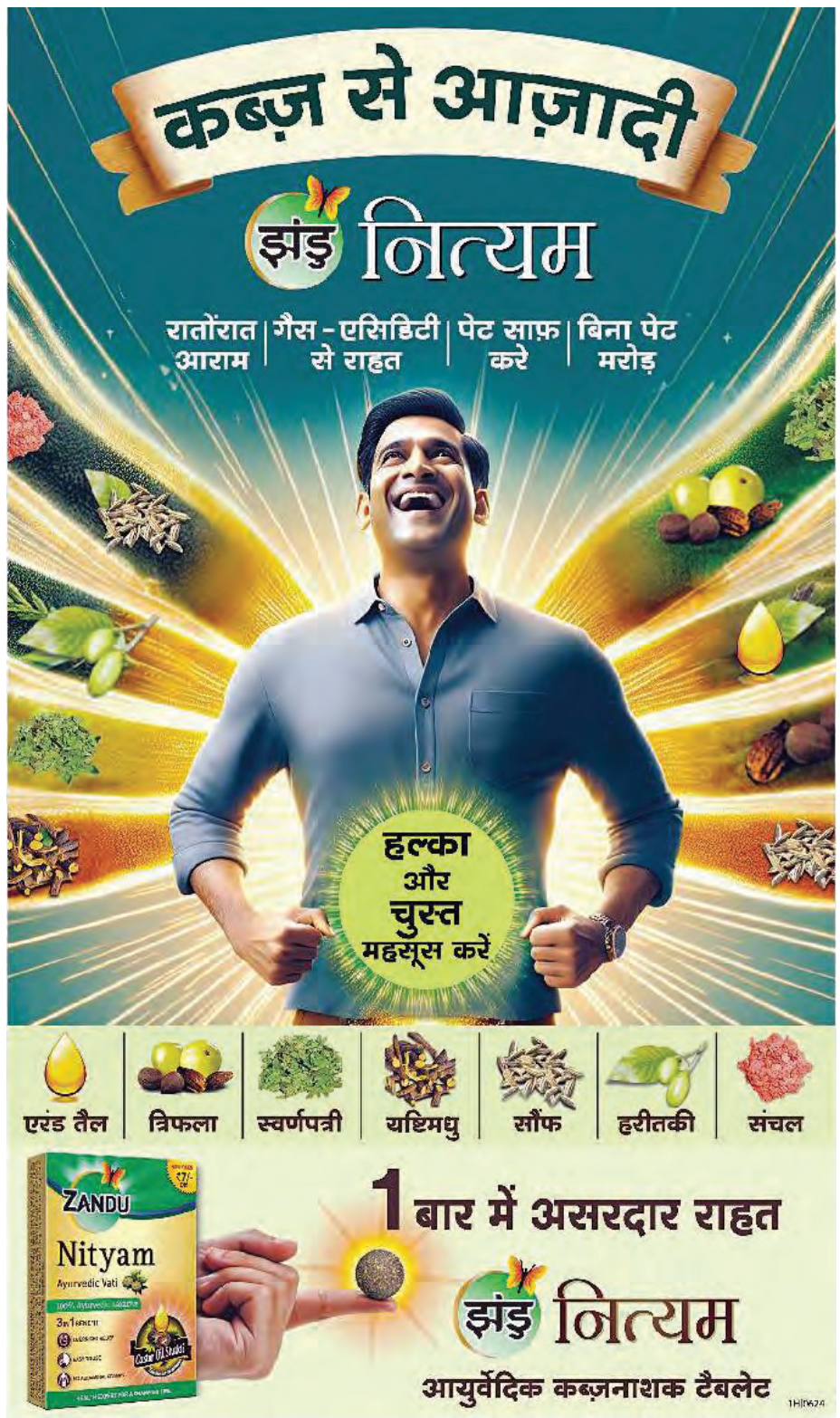

मेट्रो एंकर

मप्र सरकार की अस्पतालों में नयी व्यवस्था

डिस्चार्ज से पहले मिलेगा नवजात को जन्म प्रमाण पत्र

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में पैदा होने वाले बेटे-बेटी के जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोगों को भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए अस्पताल क्षेत्र में स्थित नगरीय निकाय या पंचायत में जन्म प्रमाण पत्र के लिए ज्यादा इंतजार करने से भी बडी राहत मिलेगी। दरअसल सरकार ने तय किया है कि अब बेटी या बेटा के जन्म के तुरंत बाद मां को उसकी संतान का जन्म प्रमाण पत्र अस्पताल में ही सौंप दिया जाए। रजिस्ट्रार जन्म और मृत्यु पंजीयन ने इसके आदेश सभी कलेक्टर को दिए हैं। जानकारी के मुताबिक सभी कलेक्टर और अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार

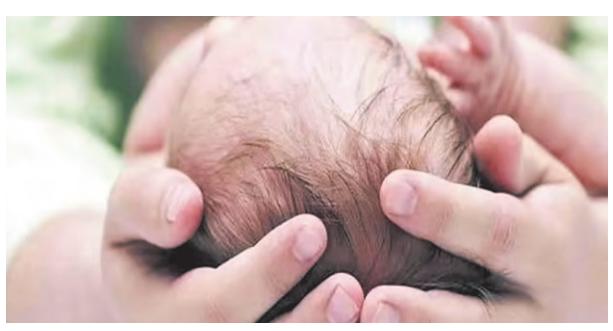

को भेजे पत्र में आयुक्त आर्थिक सांख्यिकी और मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) ने कहा है कि अस्पताल में मां को छुट्टी देने से पहले जन्म लेने वाले बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना है। जन्म प्रमाण पत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुए यह फैसला लिया गया है कि नवजात शिशु की मां को अस्पताल में प्रसव के बाद छुट्टी मिलने से पहले ही जन्म प्रमाण पत्र दे दिया जाए। खासतौर पर सरकारी अस्पतालों द्वारा यह काम तेजी से किया जाए, जहां कुल संस्थागत प्रसव से जन्मे बच्चों में से 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे पैदा होते हैं। साथ ही रजिस्ट्रार को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे अस्पताल में जन्म होते ही नवजात का रजिस्ट्रेशन करें और प्रमाण पत्र जारी करें। इससे आम जन को सुविधा होगी और बच्चे के जन्म के बाद उन्हें प्रमाण पत्र के लिए अलग से परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसलिए कलेक्टर अपने जिले में नवजात के जन्म के बाद तुरंत जन्म प्रमाण पत्र जारी कराने की व्यवस्था कराएं।

संपादकीय

हवाई सफर के हालात बदलें

अहमदाबाद विमान हादसे ने कई सवाल खडे किये हैं जिनके जवाब अब जांच एजेंसियों को भी शिद्दत से तलाशने चाहिये। हालांकि अभी तो विमानन नियामक संस्था और खुद एअर इंडिया सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर सख्ती देखी जाने लगी हैं। इसी क्रम में नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ने एअर इंडिया के कुछ विमानों में उड़ान नियमों के उल्लंघन का मामला भी चिह्नित किया है। उसने विमानन कंपनी के तीन बड़े अधिकारियों के खिलाफ आंतरिक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। जांच में पाया गया कि एअर इंडिया के दो विमानों ने लंदन के लिए उड़ान भरते समय निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन किया। हालांकि एअर इंडिया ने कहा है कि वह सभी नियमों का सख्ती से पालन करने प्रतिबध्द है। बावजूद सवाल है कि अहमदाबाद विमान हादसा हो जाने के बाद ही क्यों डीजीसीए और एअर इंडिया को नियमों के पालन, विमानों की नियमित जांच और सुरक्षा मानकों की सुध आई। पहले ही गंभीरता क्यों नहीं बरती गई। हालांकि डीजीसीए लगातार विमानन कंपनियों के प्रबंधन, विमानों के संचालन, उनमें सुरक्षा संसाधनों, चालकों की कुशलता और प्रवीणता आदि पर नजर बनाए रखता है। कई बार कंपनियों के विमान चालकों को उनकी कुशलता आदि के आधार पर हटा चुका है। कुछ विमानों को भी उड़ान भरने से रोका है। फिर भी उड़ान संबंधी नियमों का समुचित पालन नहीं हो पा रहा, तो यह चिंता की बात है। अहमदाबाद हादसे के बाद एअर इंडिया के कई विमानों में तकनीकी खराबी की शिकायतें सामने आईं। कई विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया गया या उड़ान भरने के बाद वापस लौटा लिया गया। इससे यह तो जाहिर है कि एअर इंडिया खुद भी उचित सावधानी बरत रहा है। इसके बावजूद अगर उसकी उड़ानों में प्रबंधन संबंधी कुछ दिक्कतें दिखाई दे रही हैं, तो उसकी वजहें समझी जा सकती हैं। यह जाहिर बात है कि एअर इंडिया पिछले करीब बीस वर्षों तक अपने प्रबंधन संबंधी शिथिल रवैए का आरोप झेलता रहा। यह सरकारी कंपनी थी और इसका सही ढंग से संचालन न हो पाने के कारण लगातार घाटे में थी। इसकी वजह से इसे बेचने का फैसला करना पड़ा। जब टाटा समूह ने एअर इंडिया को खरीदा, तो उसने करार करके कहा कि वह इसमें काम करने वाले कर्मचारियों को अगले कुछ वर्षों तक बाहर नहीं निकालेगा। यानि एक तरह से एअर इंडिया को नई कंपनी मिलने के बावजूद उसके संचालन का पुराना ढंग-ढर्रा विरासत में मिला। अभी तक एअर इंडिया उससे मुक्त नहीं हो पाई है। सरकारी नियंत्रण वाली एअर इंडिया के विमानों के देरी से उड़ान भरने और गंतव्य तक पहुंचने, यात्री सुविधाओं का ध्यान न दिए जाने की शिकायतें आम थीं। अगर विदेश के लिए उड़ान भरने वाले उसके विमानों में तय समय सीमा का ध्यान नहीं रखा गया, तो यह पुरानी आदतों की वजह से भी हुआ होगा। जो हो, हवाई जहाजों में मामूली लापरवाही भी सैकड़ों लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ साबित हो सकती है। एअर इंडिया के पास निस्संदेह अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित विमान हैं, पर उनके संचालन में सतर्कता और प्रवीणता न दिखाई जाए, तो खतरे खत्म कभी न होंगे। अच्छी बात है कि कंपनी खुद अपनी साख बरकरार रखने और यात्री सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए इसके प्रबंधन की कमजोर कड़ियों को दुरुस्त कर रही है। डीजीसीए को भी चाहिये कि जैसी सतर्कता वह अभी दिखा रहा है,वैसी उसे अब हमेशा दिखानी होगी,ताकि हवाईयात्री ज्यादा निश्चिंत होकर सफर कर सके।

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कई कूटनीतिक सबक

■ ज्योति मल्होत्रा

विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे - सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला- पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे। यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिज़ाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं -सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नज़र मछली की आंख पर बनाए रखें। साल 2019 में जोर-शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं।

घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता - तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना। हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए। दूसरा,जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के

दो शीर्ष जनरलों - सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक - को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़-प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान।

तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है। निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की ज़रूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज़्यादा महत्वपूर्ण लग रही है, जिनका मानना था कि ट्रंप-मोदी सदा पक्के दोस्त रहेंगे। यहां मुद्दा यह है कि ट्रंप को लगता है कि वे असीम मुनीर और मोदी, दोनों के, बढ़िया दोस्त हो सकते हैं - वास्तव में, न केवल ट्रंप बल्कि तमाम बड़ी शक्तियों के पास एक ही समय में ऐसे देशों और नेताओं से बरतने की क्षमता होती है। बड़ी ताकतों के व्यावहारिक तौर-तरीकों का यह एक ज़रूरी अवयव है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शायद इस बात से हैरान है कि 10 मई को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम पर तथाकथित अमेरिकी 'मध्यस्थता' को लेकर भारत के अंदर इतना बवाल क्यों मचा हुआ है, खासकर तब जब सभी जानते हैं कि अमेरिकी राजनयिक लड़ाई बंद करवाने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी दोनों से अलग-अलग बात कर रहे थे।

असल में हुआ यह है : 10 मई को भारतीय वायुसेना द्वारा 11 पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर बमबारी के बाद जब अमेरिकियों ने दिल्ली में अपने समकक्षों को फोन करके पाकिस्तान की तबाही और ज्यादा बंद करने को कहा, तो उनसे कहा गया कि वे पाकिस्तानी पक्ष को बता दें कि वे खुद भारतीयों से संपर्क करके इसके लिए अनुरोध करें। उस दिन , बाद में पाकिस्तानी डीजीएमओ ने ठीक यही किया। बीते सप्ताह वैश्विक मिजाज़ में आया तीसरा बदलाव रहा , ईरान पर इस्राइली बमबारी के खिलाफ ब्यानबाजी का जोर पकड़ना। इस्राइल को दिये ट्रंप के समर्थन पर भी किंतु-परंतु होता रहा। रूस और चीन पहले ही इस्राइल के खिलाफ सामने आ चुके हैं। अरब के लोगों में गहरी चिंता पसरी रही। लगता रहा कि मध्य पूर्व में टकराव रोकने को दुनिया एकजुट हो रही है। इस स्थिति में, संयुक्त राष्ट्र और चीन के नेतृत्व वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में इस्राइल के विरुद्ध रखे गए प्रस्तावों पर भारत के अनुपस्थित रहने पर चिंताजनक सवाल बने हुए हैं। इसका उत्तर, निश्चित रूप से, प्रधानमंत्री मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्यक्तिगत प्रगाढ़ संबंध हैं। इस्राइली प्रधानमंत्री ने मोदी को फोन किया और निस्संदेह उनका समर्थन मांगा होगा। बदलते वैश्विक परिदृश्य में संभव है कि भारत वह फिर से सभी शक्तियों के साथ अपने संबंधों का विस्तार करे, चारों तरफ की, और एक वक्त जिस बहुपक्षीय-संबंध नीति को कभी सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था और दशकों तक अमल किया, पुनः वापस लौट आए।

निश्चित रूप से, उस विचार को बढ़ावा देने के पीछे सोच यह होती है कि अनेक शक्तियों के समूहों के बीच बिना फायदे के रहने की बजाय, क्यों न एक बड़ी ताकत - मसलन अमेरिका - के साथ जुड़कर, उसके जोर का लाभ लिया जाए। लेकिन,इसमें कोई शक नहीं, गठबंधनों के साथ समस्या भी होती है, किसी एक खेमे का अनुयायी बनकर रह जाने का खतरा। दूसरी ओर, जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था : 'एकला चलो', इसपर अमल करें, परंतु 21वीं सदी में इस मंत्र का कोई अर्थ नहीं रहा। भारत का आदर्श हो - मित्र बनाना व लोगों को प्रभावित करना- जैसा कि मैरी पॉपिंस ने एक बार कहा था: 'हवा का रुख अपने पक्ष में करने की कोशिश करना और बदल देना'।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नया मानव: नए विश्व के प्रणेता थे आचार्य महाप्रज्ञ

■ ललित गर्ग

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों साधकों, आचार्यों, मनीषियों, दार्शनिकों, ऋषियों ने अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, उनमें प्रमुख नाम रहा है -आचार्य महाप्रज्ञ। अपने समय के महान् दार्शनिक, धर्मगुरु, संत एवं मनीषी के रूप में जिनका नाम अत्यंत आदर एवं गौरव के साथ लिया जाता है। वे ईश्वर के सच्चे दूत थे, जिन्होंने जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक आदर्श समाज रचना का साकार किया है, वे ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु थे, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ प्रयत्न किया। वे एक अनूठे एवं गहन साधक थे, जिन्होंने जन-जन को स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार की क्षमता प्रदत्त की। वे ऊर्जा का एक पूंज थे, प्रतिभा एवं पुरुषार्थ का पर्याय थे। इन सब विशेषताओं और विलक्षणताओं के बावजूद उनमें तनिक भी अहंकार नहीं था। आचार्य महाप्रज्ञ का जन्म हिन्दू तिथि के अनुसार विक्रम संवत 1977, आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी को राजस्थान के झुंझनू जिले के एक छोटे-से गांव टमकोर गाँव में हुआ था, जो इस वर्ष 23 जून, 2025 को हैं।

आचार्य महाप्रज्ञ बीसवीं सदी के उत्तर्राद्ध एवं इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ के ऐसे पावन एवं विलक्षण अस्तित्व थे जिन्होंने युग के कैनवास पर नए सपने उतारे, जिन्होंने धर्मक्रांति के साथ व्यक्ति एवं समाजक्रांति का शंखनाद किया। वे व्यक्ति नहीं, संपूर्ण संस्कृति थे। दर्शन थे, इतिहास थे, विज्ञान थे। आपका व्यक्तित्व अनगिन विलक्षणताओं का दस्तावेज रहा है। तपस्विता, यशस्विता और मनस्विता आपके व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व में घुले-मिले तत्त्व थे, जिन्हें कभी अलग नहीं देखा जा सकता। आपकी विचार दृष्टि से सृष्टि का कोई भी कोना, कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा। विस्तृत ललाट, करुणामय नेत्र तथा ओजस्वी वाणी-ये थे आपकी प्रथम दर्शन में होने वाली बाह्य पहचान। आपका पवित्र जीवन, पारदर्शी व्यक्तित्व और उम्दा चरित्र हर किसी को अभिभूत कर देता था, अपनत्व के घेरे में बाँध लेता था। आपकी आंतरिक पहचान थी-अंतःकरण में उमड़ता हुआ करुणा का सागर, सौम्यता और पवित्रता से भरा आपका कोमल हृदय। इन चुंबकीय विशेषताओं के कारण आपके संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति आपकी अलौकिकता से अभिभूत हो जाता था और वह बोल उठता था-कितना अद्भुत ! कितना विलक्षण !! कितना विरल !!! आपकी मेधा के हिमालय से प्रज्ञा के तथा हृदय के मंदरांचल से अनहद प्रेम और नम्रता के असंख्य झरने निरंतर बहते रहते थे। इसका मूल उद्गम केंद्र था-लक्ष्य के प्रति तथा अपने परम गुरु आचार्य तुलसी के प्रति समर्पण भाव।

आचार्य महाप्रज्ञ को हम बीसवीं एवं इक्कीसवीं सदी के एक ऐसी आलोकधर्मी परंपरा का विस्तार कह सकते हैं, जिस परंपरा को महावीर, बुद्ध, गांधी और आचार्य तुलसी ने आलोकित किया है। अतीत की यह आलोकधर्मी परंपरा धुंधली होने लगी, इस धुंधली होती परंपरा को आचार्य महाप्रज्ञ ने एक नई दृष्टि प्रदान की थी। इस नई दृष्टि ने एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात किया था। इस सूत्रपात का आधार आचार्य महाप्रज्ञ ने जहाँ अतीत की यादों को बनाया, वहीं उनका वर्तमान का पुरुषार्थ और भविष्य के सपने भी इसमें योगभूत बने। प्रेक्षाध्यान की कला और एक नए मनुष्य-आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्व के जीवन-दर्शन को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए वे प्रयत्नशील थे। उनके इन प्रयत्नों में न केवल

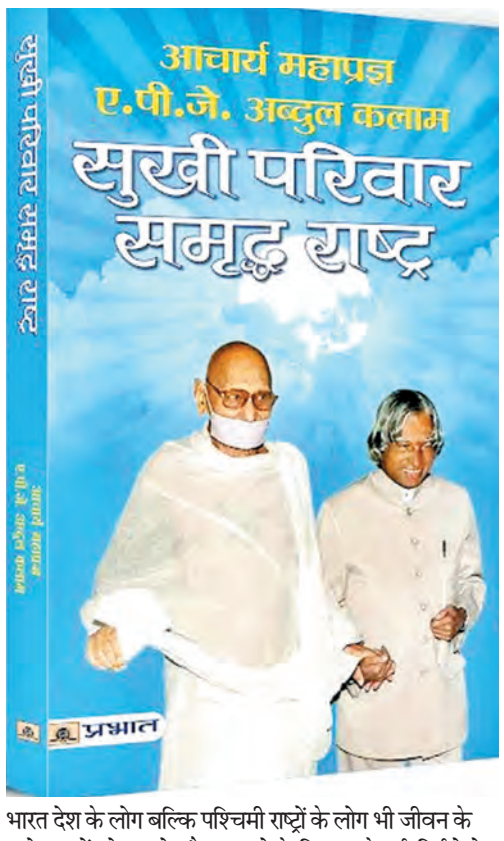

भारत देश के लोग बल्कि पश्चिमी राष्ट्रों के लोग भी जीवन के गहरे रहस्यों को जानने और समझने के लिए उनके इर्द-गिर्द देखे गये थे। आचार्य महाप्रज्ञ ने उन्हें बताया कि ध्यान ही जीवन में सार्थकता के फूलों को खिलाने में सहयोगी सिद्ध हो सकता है।

आचार्य महाप्रज्ञ जितने दार्शनिक थे, उतने ही बड़े एवं सिद्ध योगी भी थे। वे दर्शन की भूमिका पर खड़े होकर अपने समाज और देश की ही नहीं, विश्व की समस्याओं को देखते थे। जो समस्या को सही कोण से देखता है, वही उसका समाधान खोज पाता है। आचार्यश्री जब योग की भूमिका पर आरूढ़ होते थे, तो किसी भी समस्या को असमाहित नहीं छोड़ते। उन्होंने हिंसा, आतंक एवं युद्ध की समस्या के समाधान के लिये राजनीति, समाज और धर्म के लोगों मिल-जुलकर प्रयत्न करने का आह्वान किया। इसी ध्येय को लेकर उन्होंने समान विचारधारा के लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयत्न किया और उसे नाम दिया अहिंसा समवाय।

आचार्य महाप्रज्ञ ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। कृष्ण, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ ही साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, कबीर, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा से ऐसे जीवन मूल्यों को चुन-चुनकर युग की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य उन्होंने किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके प्रवचनों/विचारों से अस्पर्शित रहा हो। योग, तंत्र, मंत्र, यंत्र, साधना, ध्यान आदि के गूढ़ रहस्यों पर उन्होंने सविस्तार प्रकाश डाला है। साथ ही राजनीति, कला, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, परिवार, समाज, गरीबी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण, हिंसा, जातीयता, राजनीतिक अपराधीकरण, लोकतंत्र की विसंगतियों, संभावित परमाणु युद्ध का विश्व संकट जैसे अनेक विषयों पर भी अपनी क्रांतिकारी जीवन-दृष्टि प्रदत्त की है।

जीवन के नौवें दशक में आचार्य महाप्रज्ञ का विशेष जोर अहिंसा पर रहा। इसका कारण सारा संसार हिंसा के महाप्रलय से भयभीत और आतंकित होना था। जातीय उन्माद, सांप्रदायिक विद्वेष और जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव-ऐसे कारण थे जो हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे और इन्हीं कारणों को नियंत्रित करने के लिए आचार्य महाप्रज्ञ प्रयत्नशील थे। इन विविध प्रयत्नों में उनका एक अभिनव उपक्रम था-'अहिंसा यात्रा'। अहिंसा यात्रा ऐसा आंदोलन बना, जो समूची मानव जाति के हित का चिंतन कर रहा था। अहिंसा की योजना को क्रियान्वित करने के लिए ही उन्होंने पदयात्रा के सशक्त माध्यम को चुना। 'चरैवेति-चरैवेति चरन् वै मधु विंदति' उनके जीवन का विशेष सूत्र बन गया था। इस सूत्र को लेकर उन्होंने पाँच दिसंबर, 2005 को राजस्थान के सुजानगढ़ क्षेत्र से अहिंसा यात्रा को प्रारंभ किया, जो गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, दिल्ली एवं महाराष्ट्र में अपने अभिनव एवं सफल उपक्रमों के साथ विचरण करते हुए असंख्य लोगों को अहिंसा का प्रभावी प्रशिक्षण दिया एवं हिंसक मानसिकता में बदलाव का माध्यम बनी। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को पोकरण परीक्षण के पश्चात अणुबम नहीं, अणुव्रत, हिंसा नहीं अहिंसा, युद्ध नहीं, अयुद्ध की प्रेरणा देकर उनकी जीवन-दिशा को बदलने वाले आचार्य महाप्रज्ञ ही थे।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ का जीवन इतना महान और महनीय था कि किसी एक लेख, किसी एक ग्रंथ में उसे समेटना मुश्किल है। यों तो आचार्य महाप्रज्ञ की महानता से जुड़े अनेक पक्ष हैं। लेकिन उनमें महत्त्वपूर्ण पक्ष है उनकी संत चेतना, आँखों में छलकती करुणा, सोच में अहिंसा, दर्शन में अनेकांतवाद, भाषा में कल्याणकारिता, हाथों में पुरुषार्थ और पैरों में लक्ष्य तक पहुँचने की गतिशीलता। आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महामानव विरल होते हैं। कहा जा सकता है कि आचार्य महाप्रज्ञ ऐसे सृजनधर्मा साहित्यकार, विचारक एवं दार्शनिक मनीषी थे जिन्होंने प्राचीन मूल्यों को नये परिधान में प्रस्तुत किया। उनका रचित साहित्य राष्ट्र, समाज एवं सम्पूर्ण मानवता को प्रभावित एवं प्रेरित करता रहा है। वे अध्यात्म-चेतना को परलोक से न जोड़कर वर्तमान जीवन से जोड़ने की बात कहते थे। उनका साहित्य केवल मुक्ति का पथ ही नहीं, वह शांति का मार्ग है, जीवन जीने की कला है, जागरण की दिशा है और रूपांतरण की सजीव प्रक्रिया है। उनका साहित्य जादू की छड़ी है, जो जन-जन में आशा का संचार करती रही है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे उनके निकट रहने, उनके कार्यक्रमों से जुड़ने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर मिला। मुझे उनका असीम आशीर्वाद प्राप्त हुआ और मुझे पहला आचार्य महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरुस्कार भी उन्ही के सान्निध्य में मिला। मेरा जीवन सचमुच ऐसे महापुरुष की सन्निधि से धन्य बना। आचार्य महाप्रज्ञ के निर्माण की बुनियाद भाग्य भरोसे नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, पुरुषार्थी प्रयत्न और तेजस्वी संकल्प से बनी थी। हम समाज एवं राष्ट्र के सपनों को सच बनाने में सचेतन बनें, यही आचार्य महाप्रज्ञ की प्रेरणा थी और इसी प्रेरणा को जीवन-ध्येय बनाना उस महामानव के जन्म दिवस को मनाने की सच्ची सार्थकता है

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

मानव का गुण है विश्वास व शैतान का गुण है शंका।
- विविध

आज का इतिहास

- 1206 : दिल्ली सल्तनत के पहले सुल्तान कुतबुद्दीन ऐबक की लाहौर (अब पाकिस्तान) में ताजपोशी।
- 1564: भारत की वीरांगना महारानी दुर्गावती मुगलों से जंग के दौरान शहीद हुईं।
- 1793: फ्रांस ने पहली बार रिपब्लिकन संविधान अपनाया।
- 1963: डाक एवं टेलीग्राफ विभाग ने राष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरुआत की।
- 1966 : मुंबई से न्यूयार्क जा रहे एयर इंडिया के विमान के स्विट्जरलैंड के माउंट ब्लैंक में दुर्घटनाग्रस्त होने से 117 लोगों की मौत।
- 1975: न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में 113 लोग मारे गए।
- 2004: जॉन नेग्रोपोटे इराक में अमेरिका के पहले राजदूत बने।
- 2005: अमेरिका ने भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी को मान्यता प्रदान की।
- 2006: फिलिपींस में मौत की सजा समाप्त।
- 2007: इराकी हाई ट्रिब्यूनल ने सद्दाम हुसैन के चचेरे भाई अली हसन अल माजिद सहित तीन लोगों को फांसी की सजा सुनाई।
- 2008: नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 2010: विंबलडन में टेनिस इतिहास का सबसे लंबा मैच 11 घंटे और पांच मिनट तक चला। यह ऐतिहासिक मैच अमेरिका के जॉन इसनर और फ्रांस के निकोलस माहूत के बीच खेला गया।
- 2023: वैग्नर ग्रुप ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के खिलाफ बगावत की।
- 1885: कट्टर सिख नेता और प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तारा सिंह का जन्म ।
- 1937: बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री थे जगन्नाथ मिश्रा का जन्म ।
- 1937: अंग्रेजी साहित्य की प्रख्यात लेखिका अनीता देसाई का जन्म ।
- 1881: ओम जय जगदीश हरे आरती के रचयिता पंडित श्रद्धाराम शर्मा का निधन।

निशाना

बिन बुलाए बार बार !

-कृष्णेन्द्र राय

ठुकराया है ट्रंप को ।
पूरा भारत देश ।।
रह रह कर शिगूफा लेकिन ।
है उनका विशेष ।।
बिन बुलाए बार बार ।
बन रहे मेहमान ।।
स्वयं के कसीदे ।
बार बार गुणगान ।।
चीख हो गई तेज ।
नोबेल पुरस्कार ।।
ह्वाइट हाउस में भी अब ।
बंट रहा उपहार ।।
खुल रही है कलई ।
सामने सच आया ।।
शांति पुरस्कार की ।
है सारी ये माया ।।

कायाकल्प, मुस्कान व लक्ष्य कार्यक्रमों के अंतर्गत 7 संस्थाओं को डिप्टी सीएम ने दिया पुरस्कार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

2 सिविल अस्पताल, 4 पीएचसी और 1 हेल्थ वेलनेस सेंटर पुरस्कृत

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश के अंतर्गत 23 जून 2025 सोमवार को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में 'कायाकल्प', हृन्नरू, 'मुस्कान' व 'लक्ष्य' कार्यक्रमों में वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नर्मदापुरम जिले की 7 स्वास्थ्य संस्थाओं सिविल अस्पताल इटारसी एवं सिवनीमालवा तथा पीएचसी उमरधा,शिवपुर, शोभापुर एवं सेमरी हरचंद तथा एचडब्ल्यूसी नयाखेड़ा (सोहागपुर) को सम्मानित किया।

कायाकल्प', हृन्नरू, 'मुस्कान' कार्यक्रम में आपातकाल स्वास्थ्य सेवाएं, ओपीडी आईपीडी, लैबोरेटरी, रेडियोएक्सरा, फार्मेसी, लेबर रूम, सामान्य प्रशासन, कुपोषित बच्चों का उपचार में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना प्रमुख हैं, सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत ने पुरस्कार प्राप्त संस्थाओं के संस्था प्रभारियों सहित समस्त स्टॉफ को बधाई दी है। पुरस्कार कार्यक्रम में डॉ आर के वर्मा जेडी, कविता भोई डीपीएम, डॉ राकेश चौधरी अधीक्षक इटारसी, डॉ रघुवंशी सीबीएमओ, पीएचसी मेडिकल ऑफिसर, डीक्यूएम, सीपीएचसी सलाहकार, सीएचओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर अधिकारी-कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाए: सीईओ

नवीन ग्रामीण एवं नगरी निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से की जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री सौजान सिंह रावत ने जल गंगा संवर्धन अभियान, मिशन कर्मयोगी, ईऑफिस, मूंग उपार्जन, सीएम हेल्पलाइन आदि की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

समय सीमा की बैठक के दौरान श्री रावत ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं नगरीय निकायों में आवास एवं अन्य किसी भी नवीन निर्माण के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक स्थापित कराई जाए। श्री रावत ने समय सीमा के दौरान कर्मयोगी भारत मिशन पोर्टल के विषय मे जानकारी देते हुए बताया की कर्मयोगी भारत मिशन पोर्टल, भारत सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच है। इसका उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को उनकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करके, उन्हें अधिक प्रभावी और कुशल बनाना है। यह पोर्टल सरकारी कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम, वेबिनार और अन्य प्रशिक्षण सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है, प्रशिक्षण के पश्चात प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाता है7 कर्मयोगी प्लेटफॉर्म सरकारी कर्मचारियों को व्यापक ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से अपने ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। श्री रावत ने इस पोर्टल पर अधिक पंजीयन कर, इस पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

समय-सीमा की बैठक में जिले में मूंग उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि मूंग पंजीयन की अंतिम तिथि के उपरांत उपार्जन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी उपार्जन केंद्रों के प्रस्ताव समय पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला प्रबंधक वेयर हाउसिंग को निर्देशित किया कि मूंग उपार्जन हेतु निर्धारित वेयरहाउसों का निरीक्षण एवं सत्यापन कार्य पूर्व नियोजित तरीके से किया जाए, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

श्री रावत ने ई ऑफिस के तहसील एवं विकासखंड स्तर पर क्रियान्वयन के संबंध में जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस को निर्देश दिए की जिन कर्मचारियों की ईएमडी रिपोर्ट प्राप्तष हो चुकी है उन कार्यालयों की ई ऑफिस पर ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि विकासखंड स्तरीय कार्यालय में भी ई ऑफिस के माध्यम से ही पत्राचार किया जाना सुनिश्चित करें। तत्संबंध में सभी संबंधित अधिकारी कड़ाई से इसका पालन किया जाना सुनिश्चित करें।

समय सीमा की बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत ने वर्षा काल के दौरान संक्रामक एवं मौसमी बीमारियों की तैयारी के लिए सीएमएचओ नर्मदापुरम को निर्देशित किया की आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं का पूर्व नियोजित ढंग से प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सभी शासकीय व अशासकीय स्कूल छात्रावास एवं अन्य जर्जर भवनों का निरीक्षण कर एवं शीघ्र अतिशीघ्र मरम्मत किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया की शिक्षण संस्थान परिसर के आसपास पूर्ण साफ सफाई रखी जाए,साथ ही वर्षा काल में जहरीले जीव जन्तुओ से सुरक्षा के आवशयक व्यवस्था की जाए जिससे किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोका जा सके। उन्होंने समस्त एसडीएम, को निर्देशित किया की स्कूल एवं आंगनवाड़ी का निरीक्षण कर भोजन व्यवस्था साफ सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीईओ श्री रावत ने दूषित भोजन या पानी के सेवन के कारण भोजन विषाक्तता, दस्त, उल्टी अन्य बीमारियों की रोकथाम के लिए भोजन तथा पेयजल की गुणवत्ता पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये।

समय सीमा की बैठक के दौरान वर्षा काल में ब्लैक आउट की समस्या से निपटने के लिए बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बारिश के दौरान सभी शैक्षणिक व अन्य स्थानों पर बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। समय सीमा की बैठक के दौरान श्री रावत ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की अभियान के अंतिम चरण में सभी प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण रूप देने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की गति बनाए रखें और समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने पिपरिया में दिव्यांगजनों को ट्राई स्कूटी वितरित की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गत दिवस पिपरिया में अपनी सांसद निधि से एक नेशनल प्लेयर सहित 24 दिव्यांग जनों को ट्राई स्कूटी वितरित की। पुराना गल्ला मंडी पिपरिया में आयोजित कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भारत माता का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिव्यांग जनों को ट्राई स्कूटी वितरित की और कहा कि गत 11 वर्षो से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक शक्ति में वृद्धि हुई है। आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं से आम नागरिकों का जीवन बेहतर हुआ है वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति मजबूत हुई है। कई देश अब भारत से सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

सांसद श्री चौधरी ने कहां की यह जनता का विश्वास है जिसके कारण प्रधानमंत्री लगातार आम जनता की सेवा कर पा रहे हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन मूंग के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार का क्षेत्र के किसानों की ओर से आभार व्यक्त किया। इस दौरान सांसद श्री चौधरी ने पुरानी गल्ला मंडी से सांसद कार्यालय पिपरिया तक विधायक ठाकुरदास नागवंशी के साथ दिव्यांग जनों को ट्राई स्कूटी में बैठा कर विदा किया। इस अवसर पर पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने कहा कि सांसद श्री चौधरी ने दिव्यांग जनों को ट्राई स्कूटी वितरित कर बहुत ही श्रेष्ठ कार्य किया है। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय परिसर एडीआर सेन्टर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

इंटर्नशिप के समापन उपरांत प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किये

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन/अध्यक्षता में एवं न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार पाठक की उपस्थिति में जिला न्यायालय नर्मदापुरम स्थित ए.डी.आर. हॉल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रशिक्षुओं को वकील के अच्छे गुणों के बारे में बताया और न्यायपालिका में सेवा करने के अनुभव साझा किए एवं न्याय प्रणाली से अवगत कराया एवं संवैधानिक विषयो पर चर्चा की गई, न्यायाधीश एवं सचिव विजय कुमार पाठक सर ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य, मीडिएशन योजना, लोक अदालत योजना एवं अन्य योजनाओं के सबंध मे जानकारी प्रदान की गई। शिविर के अंत में प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, सत्र के दौरान पीएम नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस से कानून के छात्र डॉ. मयंक तोमर, केशुजा सोलंकी,मयंक दुबे,शिवनारायण कटारे, सौम्या दुबे, संकेत सेंगर,रिंकू वर्मा, सौम्या गुरु,प्रणीता मंडल, मुस्कान कुशराम,पंकज चौधरी,आदर्श चुटिले,राशि दुबे आदि प्रशिक्षु उपस्थित थे।

प्रशिक्षु डॉ. मयंक तोमर ने बताया कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान हमें सचिव महोदय, जिला कानूनी सहायता अधिकारी अभय सिंह, पूजा अवस्थी, के अलावा प्राचार्य रामकुमार चौकसे, प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अपूर्वा वर्मा, चंद्रप्रभा सोनी और अनुपमा कुजूर का भरपूर सहयोग मिला।

योग शिक्षक और संगीतकारों को किया गया सम्मानित

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शहर वाचनालय पाठक संघ व सदाशिव राव पिगले सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान मे ख्याति प्राप्त योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी एवं संगीतकार डॉ राकेश शर्मा, डॉ अशोक रोहले व तबला वादको प्रथमेश भाटे, शोर शर्मा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सूत्रधार सुनील बाबू पिगले ने बताया योग भारत की प्राचीन विद्या है इसके माध्यम से हम निरोग रहकर लंबी उम्र प्राप्त कर सकते है संगीत के माध्यम से दिल को सुकून मिलता है। संचालक दीपक तिवारी ने योग और संगीत दोनो ही भारत की विश्व को अमूल्य देन है। सारा संसार जिनसे लाभान्वित है। पं अरविंद अवस्थी ने योग और संगीत भारत के धर्म एवं संस्कृति के दो उपहार है जो मानव कल्याण के लिऐ पूरे विश्व को सौपे योग और संगीत का संगम कर हम सारे संसार को सुखमय बना सकते है। अभिषेक शर्मा गुरूजी ने बताया योग के प्रचार-प्रसार के लिऐ योग गुरू सै.शफाकत हुसैन कादरी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है वे नगर ही नही आज पूरे राष्ट्र मे जाने पहचाने योग गुरू है भारत की सांस्कृतिक विरासत राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत पहचान बन गए है । इस अवसर पर पर कैलाश नामदेव, विजय अरोरा, अमित सोनी, मुन्ना महाराज राम मोहन सिंह, नंदकिशोर सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किऐ ।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 12 प्रशिक्षु अधिकारी केसला पहुंचे, प्रशासन की योजनाओं का अध्ययन करेंगे

नर्मदापुरम। राज्य प्रशासनिक सेवा के 12 प्रशिक्षु अधिकारी जिले के केसला ब्लॉक में शासन के विभिन्न विभागों एवं ग्रामीण विकास की समस्त योजनाओं के अध्ययन एवं उनसे सीख लेने के लिए सोमवार 23 जून को जिला नर्मदापुरम में उपस्थित हुए। जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा गुर्जर ने उपस्थित समस्त प्रशिक्षु अधिकारियों को विस्तार से उनके प्रशिक्षण सह भ्रमण पर प्रकाश डाला एवं नवनियुक्त अधिकारीयों को किस प्रकार से ग्रामीण आवश्यकताओं एवं ग्रामीण व्यक्तियों की समस्याओं को सुलझाने हेतु कार्य किया जाना चाहिए इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। समस्त प्रशिक्षु अधिकारियों को 28 जून 2025 को पुनः उनके द्वारा किए गए भ्रमण के दौरान प्राप्त सीखों आदि के संबंध में प्रेजेंटेशन दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सीईओ जिला पंचायत द्वारा एक नवनियुक्त अधिकारी को किस प्रकार से अपने आप में ग्रामीण विकास के प्रति सदभावना पूर्वक दृष्टिकोण विकसित करने एवं ग्रामीण आजीविका गतिविधियां के चिन्हांकन हेतु निर्देशित किया गया।

पॉलीटेक्निक नर्मदापुरम में प्रवेश मेला का आयोजन

नर्मदापुरम। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में पांच तकनीकी पाठयक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु एक विशेष जागरूकता अभियान के अतंर्गत प्रवेश मेले का आयोजन कलेक्टर महोदया के निर्देशानुसार किया जा रहा है। ' तकनीक की ओर बढे पॉलीटेक्निक चले अभियान ' के अतंर्गत कक्षा 10वी एवं 12 वी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिये 24 जून 2025 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम, 25 जून 2025 को शासकीय कुसुम महाविद्यालय, सिवनी मालवा तथा 26 जून 2025 को शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, पिपरिया मे प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक प्रवेश मेला आयोजित किया जायेगा । प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्र-छात्राओं को प्रवेश मेला स्थल तक आवागमन की सुविधा के लिये जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विकास विभाग द्वारा उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले प्राचार्यों को निर्देश जारी किये गये है, कि छात्र-छात्राओ को निर्धारित तिथियों में प्रवेश मेले स्थल तक सुगमता से पहुंचाये । प्रवेश मेले के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को लाभ प्राप्त् होगा, जो तकनीकी पाठयक्रमों मे प्रवेश लेने के इच्छुक है और अभी तक प्रवेश नही ले पाये है । प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी उक्त तिथियों मे प्रवेश मेले में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया मे भाग ले सकते है ।

मेट्रो एंकर बरसात में टापू बन जाते हैं ब्लॉक के दर्जनों गांव : हर साल सामने आती हैं खतरनाक स्थिति, सुरक्षा के नहीं इंतजाम, हर वक्त रहता है हादसों होने का भय

रेलिंग विहीन पुल-पुलियों पर बारिश में खतरा-ए-जान, अधिकतर पुल जर्जर, जिम्मेदार बेपरवाह

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्री-मॉनसून की दस्तक के साथ ही अब नदी-नालों में पानी बढ़ने लगा है ब्लॉक भर की छोटी बड़ी नदियों की तस्वीरों से स्पष्ट है कि जल्द ही नदियां उफान पर होगी जबकि हर साल छोटे पुलों के डूबने और रास्ता बंद होने की तस्वीरें सामने आती रहती है इसके बाद भी शासन प्रशासन सिर्फ निर्देशों तक ही सीमित हैं। ब्लॉक में अभी भी एक दर्जन से अधिक ऐसे पुल-पुलियां हैं जो रेलिंग विहीन है, लेकिन अब तक इन पुलों पर रेलिंग की व्यवस्था नहीं कराई जा सकी है तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के लगभग हर आसपास के ग्रामों को जोड़ने वाले मार्गों में ऐसे छोटे पुल-पुलिया देखने मिल जाएंगे, जो रेलिंग विहीन है जबकि बड़े पुलों पर भी यही स्थिति है जहां हर साल जल्दबाजी के चक्कर में लोग जान जोखिम में डालकर इन्हें पार करते हैं हर साल ऐसे मामलों में लोगों की मौत की खबर भी आती है। इसके बाद भी न तो पुल बड़े हो पाते है और न ही रेलिंग लग पाती है। इस बार भी निर्देश जारी होने के बाद अब तक काम शुरू नहीं हो सका है कही ना कही शासन प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है

ब्लॉक में अभी भी कुछ पुल पुलिया कम ऊंचाई के बने हुए हैं, जो बारिश में डुब जाते हैं। जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत व परेशानियां होती है। हालांकि कहीं-कहीं पर नए पुलों का निर्माण कार्य

कराया जा चुका है तो कुछ जगहों पर निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है लेकिन इन पुलों को बनाने की रफ्तार धीमी होने के चलते लोगों को चिंता सता रही है क्योंकि बारिश का दौर शुरू हो चुका है तो वहीं कम ऊंचाई के पुल पुलियों से इस बार फिर जान जोखिम में डालकर पार करना पड़ेगा जिसमें झलौन से तारादेही व सर्रा जाने वाले मार्ग पर चार पुल पड़ते हैं जो कम ऊंचाई के होने के कारण एक घंटे की बारिश में ही डूब जाते हैं जिसमें उसके साथ ही जेतगढ से चंदना जाने वाले मार्ग पर एक पुलिया पड़ती है इसी तरह समनापुर से जामुन जाने वाले मार्ग पर जंगली नाले पर बना पुल भी डूब जाता है कोटखेड़ा गांव के बाहर व्यारमा नदी का पुल कम ऊंचाई पर होने पर डूब जाता है इसी तरह सारसबगली ग्राम के बाहर बना पुल छतिग्रस्त होने के साथ ही ऊंचाई कम होने पर डूब जाता है पांजी से निबौरा जाने वाले मार्ग पर गुरैया नदी पर बना पुल छतिग्रस्त है और कम ऊंचाई का है झलौन से तेजगढ़ जाने वाले मार्ग पर गोहुची के पास बनी पुलिया भी डूब जाते हैं इसके अलावा और भी मार्गो पर कुछ कम ऊंचाई के पुल पुलिया बनी हुई है जो एक से दो घंटे की तेज बारिश में डूबे जाते हैं जिससे कारण 100 से अधिक गांव में आने वाले मार्गो बंद हो जाते हैं

वहीं ब्लॉक के कई गांव बरसात के मौसम में टापू बनकर रह जाते हैं। इन गांवों में पक्की सड़कों और कच्चे रास्तों, पुल-पुलियों के नहीं होने से बरसात के मौसम में ग्रामीणों का ब्लॉक से लगभग संपर्क टूट जाता है। बरसात का मौसम इन गांवों के लिए काफी कष्टदायक होता है। घर के बीमार सदस्यों का इलाज कराने व अन्य जरूरतों के लिए ग्रामीण जान हथेली पर रखकर किसी तरह गांव की पगडंडियों और रास्तों में पड़ने वाले नदी नालों में से आना-जाना करते हैं। सरकार भले ही इन गांवों में यातायात की सुविधा का विकास करने के लिए पुल पुलिया के निर्माण में पैसा पानी की तरह बहा रही है लेकिन तेंदूखेड़ा ब्लॉक में आज भी ऐसे कई गांव है जो बरसात का मौसम शुरू होते ही टापू बनकर रह जाते हैं।

झलौन और बिसनाखेड़ी गांव के बीच पड़ने वाला एक पुल है, जो बीते कई वर्षो से जर्जर हालत में है। इसी जर्जर पुल से आवागमन जारी है जिससे हादसा होने की आंशका बनी रहती है।

इस संबंध में एसडीएम सौरभ गंधर्व से बात की गई तो उन्होंने कहा आज ही आधिकारिक व ठेकेदारों के साथ बैठक की जा रही है जिसमें पुल पुलियों पर रैलिंग लगाने दिशा सूचक लगाने के निर्देश दिए जाएंगे साथ ही बैरिकेटिंग लगाने के लिए भी कहा गया है जल्द ही सभी पुलों पर रैलिंग की व्यवस्था कराई जाएगी

बलिदान दिवस के रूप में बूथ केंद्रों पर मनाई गई डॉ.श्यामप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाई। नगर एवं ग्रामीण के मतदान केंद्रों पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए देश हित में डॉ मुखर्जी के दिए योगदान एवं बलिदान का स्मरण किया।

आयोजन को लेकर स्थानीय भाजपा संगठन द्वारा बूथ केंद्रों पर डॉ मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला। वहीं क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा भी शहर के बूथ क्रमांक 233 पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रहित में दिए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि डॉ.

मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे का नारा देकर जम्मू-कश्मीर में विशेष दर्जे का विरोध किया था और इसी संघर्ष में उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 की समाप्ति कर उनके सपनों को साकार किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि आज भी डॉ. मुखर्जी को एक महान विचारक, शिक्षाविद्, देशभक्त और दृढ़ संकल्प के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है उनका जीवन आज भी राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। विधायक शर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय निवासी 55 वर्षीय श्रीमती शक्कर बाई कुशवाह तथा विशेष अतिथि लालाराम कुशवाह को बनाया। इसी तरह वार्ड नंबर 3 भी कार्यक्रम हुआ ।

इस दौरान रमेश यादव, संतोष चौरे, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, रूपेश यादव, सचिन शर्मा, संतोष रघुवंशी आदि मौजूद थे।

जिनोदय नगर परिवार नामक अवैध कॉलोनी की जांच शुरू होते ही हटाएं बैनर पोस्टर

जनता को लूटने वालों पर प्रशासन कब करेगा ठोस और सख्त करवाई

सिरोंज। हमारे संवाददाता की खबर के बाद अवैध रूप से कॉलोनी धार्मिक स्थल के नाम से काटने वाले कॉलोनाइजर्स की जांच प्रारंभ होते ही हड़कंप मच गया

कार्रवाई के डर कॉलोनी के नाम के बैनर पोस्टर भी हटा दिए गए नहीं तो पहले जगह-जगह बैनर पोस्टर लगे हुए थे मुख्य बाजार में भी भरमार नजर आ रही थी प्रशासन का खुलेआम मजाक उड़ाने का काम भी भूमिया के द्वारा किया जा रहा था इससे ऐसा भी प्रतीत हो रहा है कहीं ना कहीं इनको बड़े स्तर पर संरक्षण प्राप्त है तभी तो बैखोफ होकर इस काम को अंजाम दे रहे थे प्रदेश टुडे मैं इनके कारनामे की पोल खोल दी तब जाकर उनकी अकल ठिकाने आई है। न तो इन्हें शासन प्रशासन की कार्रवाई का कोई भय नहीं होता है जहां मर्जी होती है और जिस नाम से चाहते हैं उसे नाम से कॉलोनी काटकर जनता को लूटने को लूटना शुरू कर देते हैं प्लाट बेचने के उपरांत मुड कर भी नहीं देखते हैं सालों से यह लोग

हजारों लोग को अपने जाल में फंसकर इनकी जमा पूंजी बर्बाद कर चुके हैं जितनी भी अवैध कॉलोनी है उनमें रहने वाले लोगों को आज भी मूलभूत सुविधाओं सुविधा नसीब नहीं हो रही है इसके बाद में की संख्या कम है जगह पर पड़ रही है। जिले में सबसे अधिक कॉलोनी अवैध है तो वह सिरोंज में पाई जाती उनकी संख्या 100 से

खबर का असर

ऊपर है ।शिकायतों के बाद भी जिम्मेदारी के द्वारा खाना पूर्ति कर दी जाती है। इस वजह से इनकी संख्या कम होने की जगह बढ़ रही है सबसे बड़ी बात तो है कि एक कलेक्टर के कार्यकाल में कार्रवाई प्रारंभ होती है जैसे ही कलेक्टर की बदली होती है तो करवाई ठंडे बस्ते में चली जाती है कई कॉलोनीयों पर कार्रवाई गतिशील है कागजों में बनी रहती है। इसके बाद भी इनके खेल पर रोक नहीं लग पा रही है क्योंकि कार्रवाई ठोस नहीं हो रही है जिनके कंधों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है वह इनको ऊपर धरातल पर कड़ी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं इसी का कारण है कि यह आम जनता को चूना लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। खबर के बाद कॉलोनी का नाम तो है गायब ह गया है पर कार्रवाई का इंतजार अभी भी है उक्त कॉलोनी नाइजर के द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी उस पर आगे कार्रवाई होगी या फिर बैनर पोस्टर हटवा कर हर बार की तरह अधिकारियों ने कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति करके भूमिया को बचाने का काम तो नहीं कर दिया ऐसा किया गया तो कॉलोनाइजर फिर से जनता को चुपके से लूटने कार्य करेगा फिर इस कॉलोनी में जितने लोग प्लांट ले लेकर मकान बनाकर रहेंगे तो सुविधाओं के लिए परेशान होंगे इसके बाद है शिकायत लेकर प्रशासन के पास जाएंगे तब शायद जिम्मेदारियां को दोपहर मेट्रो की खबर की याद आएगी और आम जनता को भी सोच समझकर अवैध रूप कटी जा रही कॉलोनियों में प्लाट नहीं लेना चाहिए मुर्ख बनाने वालों से प्लांट नहीं खरीदनी चाहिए सभी सुविधाओं का सपना यह लोग दिखाते हैं जब तक कॉलोनी में विकास ना हो तब तक इनका पूरा भुगतान नहीं करना चाहिए धोखा करते हैं तो इन पर प्रकरण भी इनको दर्ज करवाना होगा तभी अवैध कॉलोनी के धंधे पर रोक लग पाएगी नहीं तो है अपना काम इसी तरह करके जनता की मेहनत की कमाई लूटते रहेंगे कार्रवाई करने वालों को भी शायद कुछ हिस्सा मिलता होगा तभी तो वह कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता पूरी कर देते हैं।

कलेक्टर ने लिया था संज्ञान

खबर के बाद कलेक्टर पंकज गुप्ता ने एसडीएम को जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। भूमाफियाओं ने आम जनता को लूटने का निकला नया तरीका धार्मिक स्थल के नाम से काटी जा रही अवैध कॉलोनी शीर्षक के साथ खबर को प्रमुखता से प्रकाशित प्रशासन के संज्ञान में लाने का कार्य किया इसके बाद भूमिया पर प्रशासन को कार्रवाई करने की याद आई एसडीएम ने तहसीलदार से उक्त अवैध कॉलोनी की जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए इसके बाद जांच प्रारंभ हुई वहीं तहसीलदार से रिपोर्ट मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए एसडीएम के द्वारा प्रकरण बनाकर कलेक्टर को भेजा जाएगा जहां से अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई होगी वैसे दोपहर मेट्रो की खबर पर तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने कई कॉलोनीयों पर कारवाई कारवाई एफआईआर करवाने के निर्देश भी दिए कुछ कई कॉलोनी मामले भी दर्ज हुए हैं कई कॉलोनीयों को विक्रय से प्रतिबंध भी किया है। दूसरी ओर कलेक्टर ने जिन अधिकारी को अवैध रूप से कॉलोनी बनाकर जनता को लूटने वलों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी दी है वह अपने काम को सही तरीके से नहीं कर रही है इस वजह से भूमाफिया प्रशासन पर हावी हो रहे हैं। इस मामले में भी आगे कड़ी कार्रवाई होगी या मामले को ठंडा बस्ते में डाल दिया जाएगा। डीले रवैया का ही परिणाम है कि अवैध रूप से कॉलोनी मन नहीं रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि जहां से कार्रवाई होनी है वहीं पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले भूमाफियाओं ने साठ गांठ कर ली है तभी तो धरातल पर ठोस नहीं हो पा रही है । तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने जरूर भू माफियाओं पर डंडा चलाना प्रारंभ कर दिया था उनके जाते ही फिर से भूमाफिया सक्रिय हो गए हैं । वहीं हैरानी की बात तो है कि विधायक उमाकांत शर्मा भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने का मामला विधानसभा में उठा चुके हैं उसके बाद भी प्रशासन के जिम्मेदारी धरातल पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का अंकुश नहीं लगा पा रहें हैं। एक बार फिर कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं उनके निर्देशों के बाद धरातल पर कार्रवाई होगी या नहीं इसका सभी को इंतजार प्रदेश टुडे जरूर वह माफियाओं की पोल लगातार इसी तरह पोल खोलने का कार्य निरंतर करेगा।

इनका कहना है

अभी बैनर पोस्टर हटवा दिए गए हैं बाकी कॉलोनी की जांच करवाई जा रही है उसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई करेंगे ।

-हर्षल चौधरी एसडीएम

पंजीकृत श्रमिक देवेंद्र को स्कूटर सहायता योजना में 40 हजार का अनुदान मिला

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज विदिशा शहरी क्षेत्र के खरीफ फाटक रोड स्थित काछी कुआं क्षेत्र निवासी श्री देवेंद्र अहिरवार को कर्मकार कल्याण मंडल की स्कूटर सहायता योजना तहत हितग्राही को स्कूटर खरीदने पर 40 हजार रुपये की अनुदान सहायता राशि का स्वीकृति पत्र कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में प्रदाय किया है। इस योजना तहत अनुदान सहायता मिल जाने पर देवेंद्र अहिरवार ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा क्रियान्वित इस योजना की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद व्यापित किया है। मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिए स्कूटर सहायता योजना का क्रियान्वयन किया जाता है, जिसके तहत विदिशा के पंजीकृत श्रमिक देवेंद्र अहिरवार लाभान्वित हुए हैं।

सिनेमा चौराहे का नाला 2 महीने से पड़ा अधूरा बरसात में होगी आफत

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नालों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया था पर अधूरे पड़े नाले आम जनता के लिए मुसीबत का कारण बन गए हैं । नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारियां के द्वारा ठेकेदारों से इन कामों को तेज गति से नहीं करवाया जा रहा है बरसात सरकारी खड़ी हुई है और नालों का काम अधर में लटका हुआ है जो सभी के लिए मुसीबत का कारण बनेगा दूसरी ओर सिनेमा चौराहे पर थोड़े से नाला बना है वह काम भी 2 महीने से लटका हुआ है। नाला बनाने वाले ठेकेदार ने खुदाई करके काम बंद कर दिया था । पानी गिरने के बाद इसको बनाने की याद आई है बारिश का दौर प्रारंभ हो गया जिस दिन तेज बारिश होगी उस दिन लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इनके घरों में पानी भी भर जाएगा।

मिशन शक्ति योजना कार्यक्रम आयोजित

सिरोंज। विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के निर्देशन में आज ग्यारसपुर में मिशन शक्ति योजना अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला बाल विकास विभाग विदिशा से मुकेश ताम्रकार द्वारा मिशन शक्ति योजना अंतर्गत महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 कि नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी दी गई एवं मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना पात्रता शर्तें उद्देश्य एवं महत्व के बारे में बताया गया। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। वन स्टाफ सेंटर से महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 उपयोगिता एवं महत्व के बारे में जानकारी दी गई। निम्बोलकर जिला समन्वयक श्रीमती मनीषा द्वारा पोषण टेकर से संबंधित जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई।

दूषित पेयजल से होने वाली बीमारियों की दी जानकारी

- पेयजल स्रोत परीक्षण के लिए फील्ड टेस्ट किट एवं रिफेल ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराई

सिरोंज। विदिशा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लटेरी विकासखंड के ग्राम बलरामपुर में ग्राम वासियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के समक्ष पेयजल परीक्षण एवं दूषित पेयजल के कारण होने वाली बीमारियों के विषय में विभागीय दल द्वारा जानकारी प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत के पेयजल स्रोत का प्रशिक्षण ग्राम पंचायत स्तर पर ही हो जाए इसी उद्देश्य से फील्ड टेस्ट किट एवं रिफिल ग्राम पंचायत बलरामपुर के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता पंथी को प्रदान की गई हैं। साथ ही साथ इस प्रशिक्षण में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका सहित ग्रामीण जनों को सम्मानित भी किया गया है। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता पंथी, सहायिका श्रीमती सीमा पंथी, श्रीमती यशोदा बाई, श्रीमती सकवार बाई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राजबाई कुशवाहा, नल जल योजना पंप ऑपरेटर भैरव सिंह कुशवाहा और रामकृष्ण पंथी शामिल हैं।

टीएल बैठक : अवैध कब्जे से करीला मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को हो रही असुविधा, कलेक्टर ने मौके पर ही समस्या का निराकरण किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा प्रति मंगलवार आयोजित की जा रही जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं हल हो रही हैं। उनके निर्देशन में आवेदक ज्यादा समय तक परेशान ना हो उनकी समस्या समय सीमा में हल हो इसके लिए जन आकांक्षा पोर्टल के माध्यम से आवेदनों पर क्या कार्रवाई हुई क्या नहीं की मॉनीटरिंग भी की जा रही है। साथ ही साथ टीएल मीटिंग में भी मार्क की गई शिकायतों की समीक्षा कलेक्टर अंशुल गुप्ता स्वयं करते हैं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश विभागों के अधिकारियों को देते हैं।

इसी के चलते जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों व शिकायतों पर कार्यवाही की गई है। आवेदनों का समय सीमा में निराकरण हो जाने पर आवेदक गण भी जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा कर रहे हैं जिससे जिले के नागरिकों का जनसुनवाई के प्रति विश्वास और अधिक बढ़ रहा है। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत बामोरी शाला की सरपंच ने अतिक्रमण हटाने संबंधी शिकायत करते हुए बताया था कि बामोरीशाला गांव में अवैध रूप से निम्न स्थानों पर कब्जा किया गया है जिससे पंचायती कार्य और करीला माता मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को हो रही असुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आवेदन प्रस्तुत किया था। कलेक्टर श्री गुप्ता ने मौके पर ही समस्या का निराकरण के लिए सिरोंज एसडीएम को निर्देश दिए थे इस समस्या का राजस्व अमले द्वारा निराकरण कराया गया है।

ग्राम पिपलधार के किसान खुमान सिंह यादव ने अपने नहर निर्माण के दौरान खेत में पड़ी मिट्टी उठवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया था जिसका खसरा क्रमांक 1049,1082 है। आवेदन पर त्वरित कार्यवाही की गई है। विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि संजय सागर परियोजना अंतर्गत नहर निर्माण हेतु भूमि

अधिग्रहण की गई थी। अधिग्रहण से अधिक भूमि पर मिट्टी की जांच हेतु अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग द्वारा संबंधित ठेकेदार को उक्त मिट्टी हटाए जाने हेतु निर्देशित किया गया और मौके पर से मिट्टी हटाए जाने की कार्यवाही ठेकेदार द्वारा की जा रही है।

बासौदा तहसील के ग्राम रोजरू के किसान जयदीप सिंह ने जनसुनवाई में उनकी भूमि आ. क्र. 47ध्2 रकबा 3.135 हेक्टेयर का सीमांकन पटवारी द्वारा विरोधी पक्ष से मिलकर नहीं करने संबंधी शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया था। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उक्त आवेदन पर त्वरित निराकरण के लिए सीमांकन करने के निर्देश दिए थे। जिसके फल स्वरुप आवेदक के स्वत्व की भूमि का आवेदक की उपस्थिति में सीमांकन कार्य कराया गया है, जिससे आवेदक श्री जयदीप सिंह की सीमांकन संबंधी समस्या हल हो गई है।

शमशाबाद के वार्ड नंबर 7 के आवेदक यादव सिंह ने वार्ड में संचालित महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी केंद्र में स्थापित नल कनेक्शन संबंधी शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया था। जिसमें उल्लेख था कि वार्ड में निवासरत दो व्यक्तियों द्वारा आंगनबाड़ी का नल कनेक्शन हटाकर व पानी की टंकियां तोड़कर अपने मकान में नल कनेक्शन जोड़ लिया है, जिससे आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए कार्यवाही की गई है।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने लंबित आवेदनो के साथ विशेष अभियानो के कार्यो की समीक्षा में दिशा निर्देश दिए

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण में विदिशा टॉप टेन में होना संतोष जनक नहीं : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो के साथ-साथ वर्तमान में विभिन्न विभागो के माध्यम से क्रियान्वित विशेष अभियानो के कार्यो की गहन समीक्षा के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश विभागो के अधिकारियों को दिए है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के तहत आवेदनो के निराकरण संबंधी जारी प्रदेश स्तरीय ग्रेडिंग रैकिंग सूची में विदिशा टॉप टेन में शामिल होने पर असंतोष जाहिर करते हुए जिन अधिकारियों के द्वारा आवेदनो के निराकरण में ढीला रवैया अपनाया गया है उनकी सूची तैयार कराने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के साथ-साथ समाधान ऑन लाइन व सीएस स्तर की समीक्षा बैठको में दिए गए निर्देशो के अनुपालन में विभागीय अधिकारियों द्वारा सम्पादित किए गए कार्यो की भी समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज आवेदन के निराकरण की स्थिति एल वन स्तर

पर क्लियर हो जाना चाहिए साथ ही आवेदक को भी इस बात से अवगत कराएं कि उनका आवेदन जिला स्तर, राज्य स्तर पर निराकृत होगा या बजट से संबंधित है इस कारण से बजट प्राप्ति के लिए पत्राचार किया गया है। बजट राशि मिलते ही आवेदन की समस्या को निराकृत किया जाएगा वहीं ऐसे आवेदन जो न्यायालयीन प्रक्रिया में प्रचलित है उन आवेदनो के संबंध में जिला स्तर पर समाधान नहीं होगा से भी अवगत कराएं।

कलेक्टर ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्यो की अद्यतन प्रगति का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे नागरिक जिनकी आयु 70 वर्ष हो गई है उन सबके शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने है ताकि इलाज के दौरान शासन की मंशा के अनुसार उन्हें आर्थिक मदद मिल सकें। बैठक में बताया गया कि जिले में 70 प्लस के कुल 62597 आयुष्मान कार्ड बनाए जाने है जिसमें से अब तक 28492 नागरिको के कार्ड बनाकर उन्हें प्रदाय किए गए है शेष 34105 के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष अभियान के माध्यम से कार्यो का संपादन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत जिले के चिन्हित पीव्हीटीजी के 30901 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए जाने है अब तक 22329 को कार्ड जारी किए जा चुके है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि धरती आबा योजना के तहत आयोजित किए जा रहे शिविरो में शेष वंचितो के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए है कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में दिए गए निर्देशो की कार्यवाही विवरण आधारित प्रतिवेदन दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निर्धारित बिन्दुओं की जानकारी ही प्रतिवेदन में सम्मिलित की जाए।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्व कप में अल ऐन को 6-0 से हराया

अटलांटा। इल्के गुंडोगन के दो गोल और एर्लिंग हालैंड के पेनल्टी पर किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने रविवार रात खेले गए मैच में अल ऐन को 6-0 से करारी शिकस्त देकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इस सत्र में अपना अभियान पटरी पर लाने की कवायद में लगे मैनचेस्टर सिटी की तरफ से क्लाउडियो एचेवेरी, ऑस्कर बॉब और रेयान चेर्की ने भी गोल किए। मैनचेस्टर सिटी इस सत्र में इंग्लिश प्रीमियर लीग में तीसरे स्थान पर रहा था जबकि यूईएफए चैंपियंस लीग के नॉकआउट प्लेऑफ में रियाल मैड्रिड से हार गया था। उसने क्लब विश्व कप के शुरुआती ग्रुप मैच में मोरक्को के विदाद पर 2-0 की जीत दर्ज करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था।

रियाल मैड्रिड ने क्लब विश्व कप में पचुका को 3-1 से हराया

चार्लोट (अमेरिका)। रियाल मैड्रिड ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद जूड बेलिंगहैम और अर्डा गुलर के पहले हाफ में किये गये गोल की मदद से क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में पचुका को 3-1 से हरा दिया। रविवार रात को खेले गए मैच के सातवें मिनट में डिफेंडर राउल एसेनसियो को रेड कार्ड मिला, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद रियाल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इससे हालांकि कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको के क्लब पर शुरू से लेकर आखिर तक पूरा दबदबा बनाए रखा और ज़ाबी अलोंसो को इस स्पेनिश क्लब के कोच के रूप में पहली जीत दिलाई। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे बीमार होने के कारण क्लब विश्व कप के दोनों मैच नहीं खेल पाए। वह अस्पताल में भर्ती हैं जिसके कारण चार्लोट नहीं जा पाए, लेकिन टीम को उम्मीद है कि वह गुरुवार को साल्ज़बर्ग के खिलाफ़ होने वाले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

अल्काराज ने क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीता

चेक के जिरी को फाइनल में हराया, अब विंबलडन जीतने का इरादा

लंदन। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन से 8 दिन पहले लंदन में ग्रास कोर्ट पर खेले गए टेनिस टूर्नामेंट क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चेक के जिरी लहेच्का को 7-5, 6-7, 6-2 से हराकर दूसरी बार यह खिताब जीता है। इसके साथ ही उनकी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक पहुंच गया, जो उनके करियर का सबसे लंबा विजयी क्रम है। यह उनका चौथा ग्रास कोर्ट खिताब है। अब केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच ही उनसे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब (आठ) जीतने वाले एक्टिव मेंस प्लेयर हैं। चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले तीसरे स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले पांचवें सक्रिय पुरुष खिलाड़ी हैं। स्पेन के केवल तीन खिलाड़ियों राफेल नडाल, फेलिसियानो लोपेज और अल्काराज ने चार ग्रास कोर्ट खिताब जीते हैं।

371 रन का लक्ष्य इंग्लैंड के लिए है आसान

अब सबकी निगाहें भारत के गेंदबाजों पर, बुमराह पर फिर रहेगा दारोमदार

नई दिल्ली,,एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का रोमांच चौथे दिन चरम पर पहुंच गया है। टीम इंडिया ने इंग्लैंड के सामने 371 रनों का लक्ष्य रखा है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इंग्लैंड इसे चेज कर पाएगा या भारतीय गेंदबाजी इसे बचा लेगी।

दूसरी भारतीय पारी में ऋषभ पंत और केएल राहुल के बेहतरीन शतकों ने भारत की स्थिति को मज़बूत किया। पंत ने जहां आक्रामक अंदाज़ में शतक जड़ा, वहीं राहुल ने धैर्य और अनुभव के साथ पारी को संभाला। भारत की दूसरी पारी कुल 364 रनों पर सिमटी, लेकिन इस स्कोर ने इंग्लैंड के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा कर दिया।

अब बात करते हैं इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े सफल रन चेज़ की। इंग्लैंड में सर्वश्रेष्ठ रन चेज़ का रिकॉर्ड आज से 76 साल पहले 1948 में ऑस्ट्रेलिया ने बनाया था, जब डॉन ब्रैडमैन की अगुवाई में टीम ने 404 रन का लक्ष्य हासिल किया था। वो भी लीड्स के मैदान पर। यह रिकॉर्ड आज भी बरकरार है।

कैसा है इंग्लैंड का रिकॉर्ड

लेकिन इंग्लैंड की बात करें, तो उसने 2022 में भारत के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में 378 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज़ किया था, जो उसका अब तक का इंग्लैंड सबसे बड़ा रन चेज़ है। वहीं लीड्स में इंग्लैंड ने 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 359 रन का लक्ष्य भी चेज किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इंग्लैंड इस बार इतिहास रच पाएगा या भारत एक यादगार जीत दर्ज करेगा।

इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़े सफल रन चेज

404 रन- ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया, 1948 लीड्स
378 रन - इंग्लैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया, 2022 बर्मिंघम
359 रन- इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 1 विकेट से हराया, 2019 लीड्स
342 रन - वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया, 1984 लॉर्ड्स
322 रन- वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया, 2017 लीड्स

लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन -केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल कप्तान, ऋषभ पंत उप-कप्तान/विकेटकीपर, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन- जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स कप्तान, जेमी स्मिथ विकेटकीपर, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन, लंदन में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली / लंदन। भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन हो गया। 1947 में जन्मे दोशी ने 77 साल की आयु में लंदन में अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दोशी क्रिकेट करियर के बाद एक सफल हिंदी कॉमेंटेटर के तौर पर भी बेहद लोकप्रिय रहे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 898 विकेट झटकने वाले दोशी ने 238 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 43 बार पांच विकेट लिए। छह बार एक मैच में 10 विकेट झटके। उनके निधन पर सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा कि वे अपने पीछे कौशल, प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता की समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं। हाल ही में दोशी को बीसीसीआई ने एक समारोह में सम्मानित भी किया था। वे इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज दोशी का निधन हृदय संबंधी बीमारियों के कारण हुआ। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक दोशी बीते कई वर्षों से लंदन में ही रह रहे थे। उनके परिवार में पत्नी कालिंदी, बेटा नयन और बेटी विशाखा हैं।

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

'सरदार जी 3' को लेकर आलोचना झेल रहे दिलजीत का जवाब, बोले- 'मैं भी उसका हिस्सा हूं'

सिंगर एक्टर दिलजीत दोसांझ अपनी आगामी फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इस कारण उन्हें नेटिजंस खूब ट्रोल कर रहे हैं। कुछ तो उन्हें पाकिस्तान का दोस्त तक बता रहे हैं। अब अभिनेता की एक प्रतिक्रिया सामने आई है। हालांकि, साफ करते चलें कि उन्होंने इस विवाद पर सीधे तौर पर टिप्पणी नहीं की है। इस बातचीत में उन्होंने खुद को धरती माता का एक हिस्सा माना है। सरदार जी 3 का जबसे ट्रेलर रिलीज हुआ, तभी से दिलजीत दोसांझ की तीखी आलोचना हो रही है और उन्हें देश को धोखा देने की बात भी कही जा रही है। अभिनेता ने ग्रैमी प्रेसिडेंट पनोस ए पानाय के साथ दिए इंटरव्यू में कहा, 'देश युद्ध में हैं, और हमारे पास इन चीजों पर नियंत्रण नहीं है। लेकिन मेरा मानना है कि संगीत ऐसी चीज है जो देशों को जोड़ती है। मैं ऐसी चीज का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस करता हूं जो देशों में प्यार फैलाती है।'

आगे बातचीत के दौरान दिलजीत दोसांझ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें देश से आगे बढ़कर धरती माता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ये सभी सीमाएं उसी धरती माता का हिस्सा हैं और मैं उसी का हिस्सा हूं।' इसके साथ ही सिंगर-एक्टर ने बोला, 'राजनीति एक अलग क्षेत्र है, मैं इस पर बोलकर कोई गलती नहीं करना चाहता। लेकिन मेरे लिए हर पल कीमती है और मैं इसे पूरी तरह से जीना चाहता हूं।'

रश्मिका ने साउथ एक्टर धनुष के नाम साझा की पोस्ट, लिखा- भले ही आपके साथ पूरी फिल्म की हो...

रश्मिका मंदाना फिल्मों में जितना एक्टिव रहती हैं, उतना ही सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में फिल्म 'कुबेर' के अपने को-एक्टर धनुष को लेकर रश्मिका मंदाना ने एक पोस्ट साझा की है। जिसमें उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस का जिक्र किया।

रश्मिका मंदाना ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में धनुष के साथ एक फोटो शेयर की और एक लंबा सा कैप्शन भी लिखा है। वह लिखती हैं, 'भले ही मैंने आपके साथ पूरी फिल्म (कुबेर) की हो लेकिन मेरे पास आपकी यही एक फोटो है। यह पोस्ट में आपकी तारीफ में कर रही हूं। आप एक बेहतरीन इंसान हैं। हर दिन बहुत मेहनत करते हैं। आप जो कुछ भी करते हैं, वह बेहतरीन है।'

तमिल डायलॉग बोलने में की मदद - रश्मिका मंदाना आगे लिखती हैं, 'आप सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बल्कि हर शख्स के लिए बहुत काइंड रहे हैं। आप हर किसी से बहुत प्यार से बात करते हैं। मैं हमेशा याद रखूंगी कि आपने मुझे सेट पर कितने लड्डू खिलाए। मेरी किस तरह से तमिल डायलॉग बोलने में मदद की। जब आपको मेरा कोई सीन करने का तरीका पसंद आता था और आप कहते थे, 'यह बढ़िया था।' ये आपके लिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन ये वाकई बहुत बड़ी बातें हैं, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। आपको फ्यूचर के लिए बहुत सारी बेस्ट विशेज।'

रश्मिका और धनुष की फिल्म का हाल

फिल्म 'कुबेर' में रश्मिका और धनुष के अभिनय की इन दिनों तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर सोमवार को यह फिल्म 6.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। इसकी कुल कमाई भी 55.10 करोड़ रुपये हुई। इस तरह यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो आगे वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

पेट्रोल 120 लीटर तक पहुंच सकता है

मेट्रो बाजार

वजह- तेल सप्लाई का सबसे बड़ा रास्ता बंद कर सकता है ईरान, क्रूड ऑयल 80 डॉलर हुआ

नई दिल्ली। ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है। इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्या है और ये इतना अहम क्यों है? स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25त्र कच्चा तेल और 25त्र नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40त्र से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है।

ईरान ने ये रास्ता बंद करने का फैसला क्यों लिया?- ईरान और इजराइल के बीच तनाव पहले से चल रहा था, 22 जून को अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- नतांज, फोर्डो और इस्फहान पर हवाई हमले किए। इससे नाराज ईरान की संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया।

क्या भारत में पेट्रोल-डीजल महंगे हो जाएंगे?-अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 30-50त्र तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है-

पेट्रोल-डीजल महंगा- तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है।

महंगाई का बढ़ना- पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा, जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।

क्या भारत तेल के लिए पूरी तरह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर निर्भर है?- नहीं, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी तेल सप्लाई को काफी हद तक डायवर्सिफाई किया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, भारत में रोजाना 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत है, जिसमें से सिर्फ 1.5-2 मिलियन बैरल ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है। बाकी 4 मिलियन बैरल रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों से आता है। भारत ने जून 2025 में रूस से 2.16 मिलियन बैरल तेल प्रतिदिन आयात किया। ईरान से भारत ने 2019 के बाद तेल आयात लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत जैसे देशों से 40त्र तेल इस रास्ते से आता है। अगर स्ट्रेट बंद हुआ तो वैकल्पिक रास्तों जैसे केप ऑफ गुड होप से तेल लाना पड़ेगा, जो 7-13 दिन ज्यादा लेता है और प्रति यात्रा 1 मिलियन डॉलर (8.66 करोड़) अतिरिक्त खर्च होगा।

लोडिंग वाहन का गेट ट्रांसफार्मर से टकराया, करंट से चालक की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सेमरा कलारी के पास सोमवार दोपहर करंट लगने से लोडिंग वाहन के चालक की मौत हो गई। उसने अपना वाहन ट्रांसफार्मर के पास खड़ा किया था। वाहन का गेट खोलते ही ट्रांसफार्मर से टकरा गया। करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक अन्ना नगर गोविंदपुरा निवासी गणेश सोनवेर (43) लोडिंग वाहन चलाता था। सोमवार दोपहर उसने अपना वाहन सेमरा कलारी के सामने ट्रांसफार्मर के पास खड़ा किया। वाहन का गेट खोलते ही लोहे का गेट ट्रांसफार्मर से टकरा गया। करंट को जोरदार झटका लगने से गणेश वहीं बेसुध होकर गिर गया। आसपास मौजूद लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

फैक्ट्री में क्रेन से सामान गिरने से कर्मचारी की मौत

अशोका गार्डन पुलिस के मुताबिक सुभाष कॉलोनी निवासी लखन सिंह (45) औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैकमेन फैक्ट्री में काम करते थे। रविवार रात फैक्ट्री में क्रेन की मदद से भारी-भरकम सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर रखा जा रहा था। उसी दौरान क्रेन से सामान नीचे गिर गया। वहीं पर लखन सिंह काम कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि फिलहाल इस बात की तस्दीक नहीं हुई है कि सामान कर्मचारी के ऊपर गिरा है या नहीं। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां मौत हो गई। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

कार में टक्कर मारकर भाग निकला डंपर चालक

भोपाल। चूनाभट्टी चौराहे के पास एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने कालेज छात्र की कार में टक्कर मार दी और भाग निकला। डंपर की रफ्तार ज्यादा होने के कारण फरियादी उसका नंबर नहीं देख पाया। पुलिस ने अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रक्षित सचिन (19) मंदाकिनी कालोनी में रहता है और बीसीए की पढ़ाई कर रहा है। रविवार-सोमवार की रात वह अपनी कार से दवाई लेने के लिए बंसल अस्पताल जा रहा था। रात करीब पौने एक बजे वह जैसे ही चूनाभट्टी चौराहे पर पहुंचा, वैसे ही बंसल अस्पताल की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने ड्रायवर साईड कार में टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले डंपर और चालक की तलाश की जा रही है।

सड़क किनारे खड़ी स्कूटर में कार ने मारी टक्कर

भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके में सड़क किनारे खड़ी स्कूटर में तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे स्कूटर पर बैठे युवक को गंभीर चोट आई है। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम को सादिक खान अपनी स्कूटर से ढाबे पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी स्कूटर ढाबे के सामने खड़ी कर दी। उस वक्त खड़ी स्कूटर पर हबीब नामक युवक बैठा हुआ था। शाम करीब साढ़े छह बजे बैरसिया की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने स्कूटर को टक्कर मार दी।

सेकंड फ्लोर से गिरकर डेढ़ साल के मासूम की मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित ब्लूमन कॉलोनी में कल शाम सेकंड फ्लौर पर खेल रहा डेढ़ साल का मासूम छत से नीचे गिर गया। उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार हनीफ पिता हमीद खान 18 महीने का था। पिता हनीफ खान प्राइवेट काम करते हैं और ब्लूमन कॉलोनी में रहते हैं। सोमवार शाम वह काम पर गए थे। घर पर पत्नी और डेढ़ साल का बच्चा हनीफ था। पत्नी घर के काम कर रही थी, तभी हनीफ घुटने के बल खेलते खेलते छत से नीचे गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद डॉक्टर ने हनीफ को मृत घोषित कर दिया।

दो दिन तक काउंसलिंग कराती रही टीटी नगर पुलिस, तीसरे दिन एफआईआर

फार्महाउस पर पूल पार्टी में नाबालिग से दुष्कर्म, युवती समेत दो गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके से अगवा हुई 14 साल की नाबालिग के साथ फार्म हाउस में पूल पार्टी के दौरान रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता चार दिन बाद खुद थाने पहुंची और आपबीती सुनाई। चार दिन के अंदर पीड़िता से दो लोगों ने अलग-अलग जगह रेप किया।

मामले में पुलिस ने बैरागढ़ के एक कारोबारी और युवती को गिरफ्तार किया है। दो दिन तक टीटीनगर पुलिस पीड़िता की काउंसलिंग कराती रही। बताया गया है कि पीड़िता को उसकी परिचित युवती डांस कराने के बहाने अपने साथ ले गई थी। तीन दिन तक युवती ने पीड़िता को अपने घर पर करोंद में रखा, जहां एक युवक ने उसके साथ रेप किया। इसके बाद फार्म हाउस में कारोबारी के जन्मदिन पर गांजा पिलाकर उसके साथ रेप किया गया। पुलिस के मुताबिक टीटी नगर क्षेत्र की एक बस्ती में रहने वाली 14 साल की बालिका आठवीं कक्षा की छात्रा है और उसे डांस करने का शौक है। चार दिन

पहले 18 जून को वह बस्ती से कुछ दूर रहने वाली अपनी नानी के घर गई थी। वहां से वह अचानक लापता हो गई। परिजन उसकी खोजबीन करते रहे फिर थाने में सूचना दी। पुलिस ने पहले गुमशुदगी और फिर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण कर प्रकरण दर्ज कर बालिका की खोजबीन शुरू कर दी थी। हर संभव प्रयास के बाद भी बालिका का सुराग नहीं लग सका। इस बीच रविवार 22 जून को बालिका अचानक अपने घर पहुंच गई।

पूल पार्टी में पीड़िता को कराया गांजे का नशा

थाने में बयान दर्ज कराते हुए बालिका ने बताया कि करोंद इलाके में रहने वाली रिया नाम की युवती से उसकी पुरानी जान-पहचान है। युवती इवेंट मैनेजमेंट का काम करती है। वह जन्मदिन व शादी समेत अन्य कार्यक्रमों में लड़कियों से डांस कराती है। रिया ने उससे कहा था कि एक फार्म हाउस में शहर के एक बड़े कारोबारी की जन्मदिन की पूल पार्टी है। उसे पार्टी में डांस करना है। डांस कराने के बहाने रिया उक्त बालिका को बैरागढ़ के खजूरी इलाके में एक फार्म हाउस पर ले गई। वहां बैरागढ़ के करोबारी मुकेश बालचंदानी की जन्मदिन की पार्टी चल रही थी। पार्टी के दौरान उसे गांजे का नशा कराया गया। इस बीच कारोबारी ने फार्म हाउस के एक कमरे में बालिका से दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़ित बालिका को रिया अपने घर ले गई।

रिया के घर में भी युवक ने किया रेप

पीड़ित बालिका ने बताया कि 18, 19 और 20 जून को वह करोंद स्थित रिया के घर पर ही थी। इस दौरान रिया ने अपने घर में एक युवक को बुलाकर उसका रेप करवाया। उसके बाद 20 जून की शाम रिया उसे पूल पार्टी में लेकर गई। गांजे का नशा अधिक होने की वजह से उसे होश नहीं था। नशा उतरने के बाद रविवार 21 जून को बालिका अपने घर पहुंची थी।

सेक्स रैकेट का हो सकता है खुलासा

ऐशो-आराम की जिंदगी का दिया प्रलोभन थाना प्रभारी मानसिंह चौधरी का कहना है कि पीड़ित बालिका की काउंसिलिंग कराई जा रही है। पीड़ित बालिका फिलहाल उस फार्म हाउस का पता नहीं बता पा रही है, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। बयान के आधार पर रिया और कारोबारी मुकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि रिया ने ऐशो-आराम की जिंदगी और बहुत से पैसे देने का प्रलोभन बालिका को दिया था।

सेक्स रैकेट का हो सकता है खुलासा

बताया जा रहा है कि इवेंट मैनेजमेंट का काम करने वाली रिया से हर बिंदु पर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि इवेंट के बहाने युवती ने कई और नाबालिग लड़कियों और युवतियों को देह व्यापार में धकेला है। पूछताछ में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कहीं उक्त पीड़ित बालिका से डांस कराने के बहाने दूसरी अन्य पार्टियों में देह व्यापार को नहीं कराया गया है।

नशामुक्ति केंद्र से लौटे युवक ने फांसी लगाकर दी जान, नशा छोड़ने के बाद डिप्रेशन में था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित साईं नाथ कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है और परिजन से माफी मांगते हुए बेटी के खाते में समय पर रुपए डालने की लिखी है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार द्रोपती दुबे (65) गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका 46 साल का बेटा कलपेश दुबे पिता रामस्वरूप दुबे ने बी फार्मा किया था और उसकी सागर में दुकान हैं। वह शराब पीने का आदी था। अत्यधिक शराब पीने के कारण वह दुकान पर नहीं बैठता था। उसकी शराब की लत के कारण परिजन परेशान थे। शराब की लत के कारण उन्होंने पत्नी को उत्तर प्रदेश अपने मायके भेज दिया था और वह नशा मुक्ति केंद्र में नशा छोड़ने का प्रयास कर रहे थे। दो महीने से नहीं पी थी शराब द्रोपती दुबे ने बताया कि बेटा कलपेश दो बार नशा मुक्ति केंद्र से आ चुका है। अभी दो महीने पहले ही वह नशामुक्ति केंद्र से लौटा था। इसके बाद शराब नहीं पी थी। परिजन खुश थे कि उसने शराब छोड़ दी है, लेकिन शराब छोड़ने के बाद उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। रात

में खाया साथ में खाना सांईनाथ वाले मकान में मां द्रोपदी और कलपेश ही रहत थे।

मां बेटे ने रात में साथ खाना खाया। द्रोपती दुबे नीचे वाले फ्लोर पर सो गई, जबकि कलपेश ऊपर फर्स्ट फ्लोर पर सोने के लिए चले गए। कल सोमवार सुबह द्रोपती की नींद खुली वह कलपेश को देखने उसके कमरे में गईतो कलपेश फांसी के फंदे पर लटका मिला।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार तो प्रेमिका ने लगा ली थी फांसी

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र में गत एक महीने 19 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि उसके प्रेमी की बेवफाई के कारण उसने यह कदम उठाया था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती इलाके में रहती थी। गत 23 मई को उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया। पुलिस को मृतिका के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला था। पुलिस ने मृतिका के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली तो पता चला कि छह महीने में उसके मोबाइल पर एक हजार से अधिक कॉल आए और किए गए हैं। आत्महत्या से पहले ही उसी नंबर पर युवती की बातचीत हुई थी। पुलिस ने परिजन से पूछताछ की तो पता चला कि नंबर निशांत श्रीवास का है। निशांत श्रीवास के बारे में पूछताछ की गई तो परिजन ने बताया कि निशांत और युवती अयोध्या नगर में प्राइवेट काम करते थे। दोनों में दो साल से दोस्ती थी। बाद में प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। निशांत उसके साथ रिलेशन में था और शादी करना चाहता था। उसका युवती के घर आना जाना भी था। जब शादी की बात की गई तो निशांत ने शादी करने से इंकार कर दिया। इसी से परेशान होकर उसने फांसी लगा ली थी। दो साल में एक हजार से अधिक कॉल, आत्महत्या से पूर्व भी थी हुई प्रेमिका से बात।

टक्कर मारकर कार का कांच फोड़ा, फिर डंडे से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक तेज रफ्तार कार के चालक ने दूसरी कार में टक्कर मारकर कांच फोड़ दिया। कार चालक ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी कार चालक और उसके साथी ने डंडे से उस पर हमला कर दिया। अस्पताल में इलाज कराने के बाद फरियादी ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ एक्सीडेंट और मारपीट का मामला दर्ज करवाया। जानकारी के अनुसार लालघाटी कोहेफिजा निवासी पीयूष शर्मा (38) व्यवसायी हैं। बीते शनिवार की रात वह अपनी मंगेतर के साथ कार से ढाबे पर खाना खाने के लिए निकले थे। रात करीब दस बजे वह बिलखिरिया बायपास पर ढाबा देखते हुए जा रहे थे। उनकी कार जैसे ही कोकता मल्टी की सर्विस रोड पर पहुंची, वैसे ही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनकी कार का कांच टूट गया। पीयूष ने अपनी कार रोककर नीचे उतरे तो टक्कर मारने वाली कार से दो युवक नीचे आए और गाली-गलौज करने लगे। पीयूष ने जब उन्हें गाली देने से मना किया तो एक युवक ने हाथ-मुक्कों और दूसरे ने कार से डंडा निकालकर मारपीट करनी शुरू कर दी। मंगेतर ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, जिससे उसकी सोने की चैन कहीं गिर गई। आसपास के काफी लोग मौके पर पहुंचे तो मारपीट करने वाले कार में बैठकर भाग निकले। पीयूष ने निजी अस्पताल में इलाज कराने के बाद सोमवार को थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

ढाबे पर खाना खाने के लिए निकले थे व्यवसायी

मेट्रो एंकर ऐशबाग इलाके में कई घटना के बाद पुलिस बेसुराग

सूने मकान से जेवरात और नकदी चोरी, लुटेरों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। इसी इलाके में एक फोटोग्राफर से आईफोन लूटने वाले बाइक सवार बदमाशों का फिलहाल कोई सुराग नहीं लग पाया है।

पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार अप्सरा टाकीज के पास ऐशबाग में रहने वाली ममता पंथी (52) गृहणी हैं। उनका एक मकान ओल्ड सुभाष नगर स्थित अम्बेडकर कालोनी में है, जहां उनका बेटा कैफे चलाता है।

इस मकान में अलमारी समेत कुछ पुराना सामान रखा हुआ है। रविवार की रात करीब दस बजे बेटा कैफे बंद कर घर चला गया था। सोमवार की सुबह ममता पुराने वाले घर में साफ-सफाई के लिए पहुंची तो ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी में रखा एक जोड़ी कान के टाप्स और 30 हजार रुपए नकदी समेत करीब 50 हजार का सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मोबाइल लूटने वालों का नहीं लगा सुराग फरियादी लहर कमेडिया (23) मूलत- रतलाम का रहने वाला है और फोटोग्राफी करता है। पिछले दिनों वह फोटोग्राफी के लिए भोपाल आया था। काम करने के बाद वह अशोका गार्डन में रहने वाले अपने दोस्त अमन से मिलने पहुंचा था। उसके बाद अमन की स्कूटर लेकर काम से एमपी नगर की तरफ जा रहा था। रात करीब सवा बारह बजे सुभाष नगर ओवर ब्रिज पर उसकी मां का फोन आया तो वह स्कूटर रोककर मोबाइल पर बातचीत करने लगा।

इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश उसके नजदीक पहुंचे। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने लहर के हाथ से उसका एप्पल कंपनी का आईफोन छीन लिया और दोनों भाग निकले। अंधेरा होने के कारण वह बाइक का नंबर नहीं देख पाया था। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया था, लेकिन अभी तक आरोपियों का पता नहीं चल पाया है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल

क्रमाँक/थाप्र./तलैया./डी - 24/24 दिनाक 18/6/25

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना तलैया के गुम इंसान क्रमाँक 24/24 की गुमशुदा शेख मुस्तकीन पिता शेख सईदउल इस्लाम उम्र 21 साल निवासी मनं. 43 टोलवाली मस्जिद मेहदी वाली गली तलैया भोपाल की तलाश हेतू जाहिर सूचना का समाचार पत्रो मे प्रकाशन किया जाना है। जिसका हुलिया - हुलिया - साँवला चेहरा - लम्बा कद - 6 फिट करीबन बदन - दुबला पतला पहनावा - काली सफेद धारीवाली टी शर्ट एंव ब्लेक रंग की लोवर एवं पैरो मे काली स्लिपर पहना है। अन्य पहचान व किसी प्रकार का गुदना चिन्ह, तिल नही है। जिनके फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि मृतक के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो तो थाना तलैया में आकर संपर्क करें अथवा थाना तलैया मो.न. 9479990560 9479990553 को पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना तलैया भोपाल

G-14658/25 "स्वच्छता ही सेवा"

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022